E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक -29 | प्रयागराज, शनिवार 04 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान की मिडिल ईस्ट में 8 ब्रिज उड़ाने की धमकी,इजराइल-अमेरिका ने कल रु3800 करोड़ का ईरानी पुल तबाह किया था

तेहरान। ईरान ने मिडिल ईस्ट के 8 बड़े पुलों की लिस्ट जारी कर उन्हें तबाह करने की धमकी दी है। ईरान इन पुलों को रणनीतिक तौर पर अहम मानता है, क्योंकि ये कई देशों की कनेक्टिविटी और ट्रांसपोर्ट के लिए बेहद जरूरी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की लिस्ट में कुवैत, यूएई, सऊदी अरब और जॉर्डन के कई महत्वपूर्ण पुल शामिल हैं। इनमें शेख जाबेर अल-अहमद समुद्री पुल (कुवैत), शेख जायद ब्रिज, अल मकता ब्रिज, शेख खलीफा ब्रिज (यूएई), किंग फहद कॉजवे (सऊदी अरब-बहरीन) और जॉर्डन के किंग हुसैन, डामिया और अबदून ब्रिज शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को अमेरिका और इजराइल ने ईरान के करज शहर में बी1 ब्रिज पर दो बार हमला किया था। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और पुल पूरी तरह तबाह हो गया। यह पुल इसी साल शुरू हुआ था और इसे मिडिल ईस्ट का सबसे ऊंचा पुल माना जाता था। करीब 1050 मीटर लंबे और 136 मीटर ऊंचे इस पुल को बनाने में लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब रु3,800 करोड़) खर्च हुए थे। ब्रिटेन की पहल पर होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए गुरुवार को एक ऑनलाइन बैठक हुई, जिसमें 60 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में भारत की तरफ से विदेश सचिव विक्रम मिसरी शामिल हुए। बैठक में विक्रम मिसरी ने कहा कि होर्मुज संकट में अब तक सिर्फ भारत के ही नागरिक मारे गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक होर्मुज संकट में अब तक 3 भारतीय नाविक मारे जा चुके हैं, ये सभी विदेशी जहाजों पर काम कर रहे थे। ईरान की सेना ने कहा है कि उसने गुरुवार को जॉर्डन में मौजूद अमेरिका के एक बड़े एयरबेस पर ड्रोन हमला किया। इस एयरबेस का नाम अल-अजराक (मुवाफ्फाक सलती) है, जहां अमेरिकी लड़ाकू विमान तैनात रहते हैं। यह एयरबेस अमेरिका के लिए बहुत अहम माना जाता है, क्योंकि यहीं से फाइटर जेट उड़ान भरते हैं और निगरानी व ड्रोन मिशन चलाए जाते हैं। ईरान का कहना है कि वह इस हमले से अमेरिका की हवाई ताकत को कमजोर करना चाहता था। पूर्व ईरानी विदेश मंत्री जवाद जरीफ ने ईरान से कहा है कि वह जीत का ऐलान करे और ऐसा समझौता करे जिससे मौजूदा युद्ध खत्म हो और भविष्य में भी टकराव रोका जा सके।

पश्चिम बंगाल में मालदा हिंसा का मुख्य आरोपी अरेस्ट,एयरपोर्ट से पकड़ाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा में एसआईआर से जुड़े न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में मुख्य आरोपी समेत 35 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के 48 घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपी मोफक्करुल इस्लाम को बागडोगरा एयरपोर्ट से पकड़ा। वह बेंगलुरु भागने की फिराक में था।इस्लाम कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील है। वह 2011 में एआईएमआईएम का उम्मीदवार रह चुका है। मोफक्करुल पर आरोप है कि मालदा के सुजापुर में 1 अप्रैल को एसआईआर में नाम कटने के विरोध प्रदर्शन में भड़काऊ भाषण दिया। इससे लोग भड़क गए और हजारों लोगों ने कलियाचक के बीडीओ ऑफिस को घेर लिया। दो गेट बंद कर दिए गए, जिससे 7 न्यायिक अधिकारी 9 घंटे ऑफिस के अंदर बंधक रहे। देर रात 1 बजे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भारी सुरक्षाबल की मौजूदगी में अफसरों को बाहर निकाला गया था। उधर, सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इलेक्शन कमीशन ने इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दी है। एक टीम मालदा पहुंच चुकी है। मालदा बंधक मामले की जांच एनआईए की डीआईजी सोनिया सिंह कर रही हैं। वह सुबह करीब 10 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचीं, जिसके बाद सीधे मालदा के लिए रवाना हो गईं। वह कलियाचक थाने भी जा सकती हैं और घटनास्थल का दौरा करने की संभावना है। वहां से सैंपल इकट्ठा किए जा सकते हैं।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

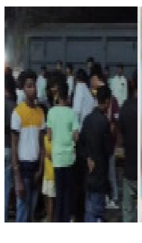

राघव चड्ढा बोले- खामोश कराया, हारा नहीं हूं-'आप' को चेतावनी- सैलाब बनकर आऊंगा

कल राज्यसभा में उपनेता पद से हटाया था

चंडीगढ़। पंजाब से सांसद राघव चड्ढा आम आदमी पार्टी के राज्यसभा में उपनेता पद से हटाने और पार्टी कोटे से बोलने का टाइम न देने को लेकर शुक्रवार को पहली बार सामने आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर इस पर प्रतिक्रिया दी। राघव चड्ढा ने कहा- मुझे खामोश करवाया गया है लेकिन मैं हारा नहीं हूं। आम आदमी को ये मेरा संदेश है। राघव चड्ढा ने कहा कि मैंने पब्लिक के मुद्दे उठाए, इससे 'आप' को क्या नुकसान हुआ?। वीडियो के आखिर में उन्होंने 'आप' को चेतावनी दी कि आवाज खामोश कराने वालों के सामने मैं सैलाब बनकर आऊंगा। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी 'आप' ने गुरुवार को सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया था। पंजाब से ही राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को उनकी जगह दे दी। पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर जानकारी दी थी। लेटर में कहा कि सदन में पार्टी की तरफ से बोलने का समय न दिया जाए। राघव 2022 से पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल 2028 तक है। पार्टी ने इस फैसले की वजह नहीं बताई है।हालांकि, राघव चड्ढा ने लंबे समय से पार्टी से दूरी बना ली थी और 'आप' को लेकर कोई बयान नहीं दे रहे हैं। यहां तक कि 'आप' सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के वक्त वह यूके में थे। केजरीवाल के बरी होने पर भी उन्होंने एक शब्द नहीं कहा था।जिस मुद्दे को कोई नहीं उठाता, मैंने वह उठाएः राघव चड़?ढा के जारी वीडियो में वह पार्लियामेंट परिसर में खड़े होकर बोल रहे हैं। इसमें राघव चड्ढा ने कहा- मुझे जब-जब पार्लियामेंट में बोलने का मौका मिलता है, मैं जनता के मुद्दे उठाता हूं। शायद ऐसे टॉपिक्स उठाता हूं, जिसे आम तौर पर संसद में नहीं उठाया जाता। लेकिन क्या जनता के मुद्दे उठाना, पब्लिक इश्यूज पर बात करना कोई अपराध है। क्या मैंने कोई गुनाह कर दिया। क्या मैंने कुछ गलत किया। मेरे बोलने पर रोक क्यों लगाना चाहाः राघव चड्ढा ने कहा- ये सवाल आज मैं इसलिए पूछ रहा हूं क्योंकि आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सेक्रेटेरिएट को ये कहा है, राघव चड्ढा के बोलने पर रोक लगा दी जाए।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...**

फ्लाइट में 60फीसदी सीटें मुफ्त देने के फैसले पर रोकःसरकार ने 15 दिन में फैसला बदला, कई एयरलाइंस ने आपत्ति जताई थी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने एयरलाइंस को फ्लाइट में 60फीसदी सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क के चुनने देने वाले निर्देश को अस्थायी रूप से रोक दिया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि यह नियम 20 अप्रैल से लागू होना था, लेकिन अब इसे अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 15 दिन पहले 18 मार्च को कहा था कि डीजीसीए को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी फ्लाइट में सीट चयन के लिए न्यूनतम 60फीसदी सीटें बिना चार्ज उपलब्ध कराई जाएं। इसका उद्देश्य यात्रियों को सीट चुनने में समान अवसर देना बताया गया था। मंत्रालय के अनुसार, इस मुद्दे की समीक्षा के दौरान फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस की ओर से आपत्तियां भेजी गईं। इनमें ऑपरेशनल असर, किराए पर प्रभाव और मौजूदा डिरेगुलेटेड टैरिफ व्यवस्था से तालमेल जैसे मुद्दे उठाए गए। मंत्रालय ने कहा कि व्यापक जांच पूरी होने तक 60फीसदी सीटें मुफ्त देने का प्रावधान लागू नहीं किया जाएगा। मौजूदा नियमों में पैसेंजर्स के लिए 20फीसदी सीटें ही बिना एक्स्ट्रा चार्ज दिए बुक की जा सकती हैं, जबकि बाकी सीटों के लिए भुगतान करना पड़ता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी एयरलाइंस पंसद की सीटें चुनने पर 500 से 3000 रुपए तक एक्स्ट्रा चार्ज करती हैं। अक्सर देखा जाता है कि टिकट बुकिंग के बाद जब यात्री वेब चेक-इन करते हैं, तो उन्हें फ्री सीट के नाम पर केवल 20फीसदी ऑप्शन ही मिलते हैं। बाकी सीटों के लिए कंपनियां 'प्रेफर्ड सीट' के नाम पर भारी वसूली करती हैं। डीजीसीए के 15 दिन पुराने आदेश में कहा था कि हर फ्लाइट में 60फीसदी सीटें ऐसी होनी चाहिए, जिन्हें यात्री बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के चुन सकें। हालांकि अभी यह लागू नहीं होगा। सिविल एविएशन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू एविएशन मार्केट बन गया है। भारतीय एयरपोर्ट अब हर दिन 5 लाख से ज्यादा यात्रियों को संभाल रहे हैं। उड़ान योजना से भारत में हवाई यात्रा अब सिर्फ अमीर लोगों का अधिकार न रहकर, सभी के लिए सुलभ बन गई है। देश में हवाई यात्रा को और भी आसान बनाने के लिए लगातार कोशिशें जारी हैं, जैसे उड़ान यात्री कैफे, जहां किफायती खाना मिलता है, फ्लाईब्रेरी में किताबें मुफ्त पढ़ने मिलती हैं और टर्मिनल पर फ्री वाई-फाई।

दिल्ली पुलिस ने एक शख्स को 75 सिलेंडर्स के साथ गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बावना इलाके में एलपीजी सिलेंडर की जमाखोरी और कालाबाजारी करने वाले एक शख्स को गिरफ्तार किया है। अनिल नाम के 50 वर्षीय इस शख्स के पास से 75 सिलेंडर्स जब्त किए गए हैं। इनमें 27 सिलेंडर्स भरे हुए थे, जबकि, 48 सिलेंडर्स खाली थे। सिलेंडर्स में घरेलू और कॉमर्शियल दोनों शामिल हैं। पुलिस को बावना इलाके में एलपीजी सिलेंडरों के अवैध भंडारण की गुप्त सूचना मिली थी। इसी के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में आरोपी सिलेंडरों के लिए लाइसेंस, परमिट, स्टॉक रजिस्टर या मालिकाना सर्टिफिकेट कोई भी दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

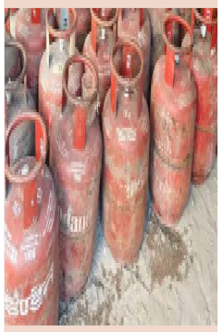

आईएनएस तारागिरी नेवी में शामिल हुआ,यह ब्रह्मोस और एयर डिफेंस सिस्टम से लैस

राजनाथ बोले- सेना की ताकत बढ़ेगी

नयी दिल्ली। आईएनएस तारागिरी शुक्रवार को विशाखापत्तनम में इंडियन नेवी में शामिल हुआ। डिफेंस मिनिस्टर राजनाथ सिंह इस सेरेमनी में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि जब भी कोई संकट आता है, चाहे वह रेस्क्यू ऑपरेशन हो या मानवीय सहायता देना हो। हमारी नेवी हमेशा सबसे आगे रहती है। आईएनएस तारागिरी की कमीशनिंग से हमारी नेवी की ताकत और बढ़ेगी। तारागिरी को मझगांव डॉक शिप बिल्डिंग लिमिटेड ने प्रोजेक्ट 17-ए के तहत तैयार किया है। वॉरशिप में ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल, एमएफस्टार(रडार), मीडियम रेंज सफेस टु एयर मिसाइल एयर डिफेंस सिस्टम लगा हुआ है। इसके अलावा यह 76 मिमी गन, 30 मिमी और 12.7 मिमी क्लोज-इन वेपन सिस्टम के साथ एंटी सबमरीन रॉकेट और टॉरपीडो से भी लैस है। वहीं भारत की स्वदेशी न्यूक्लियर सबमरीन 'अरिदमन' को भी नेवी में शामिल किया गया। भारत की नीलगिरी क्लास में कुल 7 स्टील्थ फ्रिगेट बनाए जा रहे हैं। तारागिरी इस क्लास का चौथा युद्धपोत है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, प्रोजेक्ट 17-ए युद्धपोत को आगे आने वाली समुद्री चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। 'तारागिरी' उसी नाम के पुराने युद्धपोत का एडवांस्ड वर्जन है, जिसने 1980 से 2013 तक नौसेना में 33 सालों तक सेवा दी थी। नई 'तारागिरी' हाईटेक स्टेल्थ तकनीक, बेहतर मारक क्षमता, अत्याधुनिक ऑटोमेशन और मजबूत सर्वाइवेबिलिटी से लैस है। इस युद्धपोत को वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। प्रोजेक्ट 17-ए के युद्धपोत में पिछली पी-17 (शिवालिक) क्लास की तुलना में अधिक आधुनिक हथियार और सेंसर सिस्टम लगाए गए हैं। पिछले 11 महीनों में नौसेना को यह प्रोजेक्ट 17-ए का चौथा जहाज मिला है। पहले दो जहाजों के अनुभव के कारण 'तारागिरी' का निर्माण समय घटाकर 81 महीने कर दिया गया, जबकि शुरुआती जहाज 'नीलगिरि' में 93 महीने लगे थे। प्रोजेक्ट के बाकी तीन जहाज 2026 के अगस्त तक चरणबद्ध तरीके से नौसेना को सौंपे जाएंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस परियोजना में 75 प्रतिशत स्वदेशी हिस्सेदारी है और इसमें 200 से अधिक एमएसएमई जुड़े हैं।

सीमा हैदर ने बेटे का नाम 'भारत' रखा-कुआं पूजन किया,बोलीं- हिंदू होने पर गर्व

नोएडा। पाकिस्तान से भारत आईं सीमा हैदर ने अपने बेटे का नाम 'भारत' रखा है। गुरुवार को नोएडा के रबूपुरा स्थित घर पर बेटे का नामकरण हुआ। नामकरण संस्कार के पहले सीमा ने जागरण कराया। इसके बाद कुंआ पूजन किया। डीजे की धुन पर नाचती-गाती मोहल्ले की महिलाएं पूजा के लिए निकलीं। घर पर भी संगीत समारोह का आयोजन किया गया। पूजा के बाद घर वापस आते वक्त सीमा ने मीडिया से बात की। सीमा हैदर ने कहा-'मेरे बेटे का नामकरण था। घर में जागरण भी कराया। हिंदू धर्म में जब घर में बेटा होता है तो नामकरण किया जाता है। बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। बहुत खुशी का पल है। यह दूसरा कुआं पूजन है, इससे पहले जब मीरा हुई थी, तब कराया था। हिंदू धर्म बहुत खूबसूरत है। उन्हें हिंदू होने पर गर्व है।' सीमा हैदर ने कहा- 'मैं क्रिकेट मैच में भारत को सपोर्ट करती हूं। भारत जब मैच जीतता है तो मुझे खुशी होती है। मैच के दौरान भगवान से प्रार्थना करती हूं कि भारत की ही जीत हो। भारत के लोग बहुत ही अच्छे हैं। वापस पाकिस्तान नहीं जाना चाहती। हर कास्ट के लोग रबूपुरा में रहते हैं। मुझे प्यार करते हैं, सम्मान देते हैं। मुझे अपनी बहू मानते हैं।' दरअसल, गुरुवार को सीमा हैदर के छठवें बच्चे का नामकरण संस्कार हुआ। उन्होंने 18 फरवरी 2026 को नोएडा के एक अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। इससे पहले एक बेटी को भी जन्म दिया था। सीमा के पाकिस्तानी पूर्व पति से चार बच्चे है। जबकि भारतीय पति सचिन मीणा से 2 बच्चे हैं। सीमा, पाकिस्तान छोड़कर चार साल पहले अपने प्रेमी सचिन के पास आ गई थी। पंडित जी ने नाम निकाला तो 'भ' अक्षर से आया सीमा हैदर ने कहा- पंडित जी ने जब नाम निकाला तो 'भ' अक्षर से आया। हम लोगों ने बहुत देर तक सोच विचार किया। उसका बाद नाम 'भारत' रखा। भारत से सुंदर नाम कोई हो ही नहीं सकता है। पाकिस्तान से भारत आकर मैं बहुत खुश हूं। यहां आकर बहुत अच्छा लगता है। मुझे कभी पाकिस्तान छोड़ने का पछतावा नहीं होता है। सीमा हैदर साल- 2023 से नोएडा के रबूपुरा में सचिन मीणा के साथ रह रही हैं।

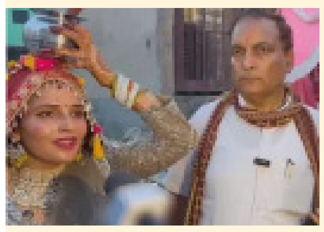

पृथ्वी की कक्षा छोड़ चांद की ओर निकले अंतरिक्ष यात्री,34 हजार किमी/घंटा की रफ्तार से बढ़ रहे

वॉशिंगटन। आर्टेमिस-2 मिशन अब चांद की ओर बढ़ रहा है। लॉन्च के एक दिन बाद शुक्रवार सुबह 5:19 बजे ओरियन कैप्सूल ने थ्रस्टर्स फायर किए और पृथ्वी की कक्षा छोड़ दी। अब यह अगले 4 दिन अंतरिक्ष में सफर करेगा और वहां पहुंचेगा, जहां आज तक केवल 24 इंसान पहुंच सके हैं। पृथ्वी के ऑर्बिट को छोड़कर चांद की तरफ जाने के लिए इंजन फायर करने की इस प्रोसेस को 'ट्रांसलूनर इंजेक्शन बर्न' कहते हैं। यह करीब 6 मिनट का मैन्यूवर था, जिसने यान की रफ्तार बढ़ाकर 22,000 मील प्रति घंटा यानी करीब 34 हजार किमी/घंटा कर दी। आर्टेमिस-2 अब 'फ्री-रिटर्न ट्रेजैक्टरी' पर है। यानी यान अब न्यूटन के गति के पहले नियम- जो वस्तु चल रही है, वह चलती रहेगी के भरोसे आगे बढ़ रहा है। पूरे सफर के दौरान इंजन सिर्फ छोटे-मोटे सुधार के लिए ही फायर किए जाएंगे। यह हिस्सा बेहद संवेदनशील है। रास्ते में जरा सी चूक यान को चांद से टकरा सकती है या उसे अनंत अंतरिक्ष में भटका सकती है। नासा बोला- अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह स्वस्थ-मिशन की स्थितिः आर्टेमिस डेवलपमेंट हेड डॉ. लोरी ग्लेज ने बताया कि अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह स्वस्थ हैं और स्पेसक्राफ्ट उम्मीद के मुताबिक बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। सीखने का मौकाः ग्लेज ने जोर दिया कि यह एक टेस्ट फ्लाइट है, इसलिए टीम स्पेसक्राफ्ट के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है। परिवार से बातचीतः अंतरिक्ष यात्रियों ने अभी तक अपने परिवार से सीधे बात नहीं की है, लेकिन नासा जल्द ही इसके लिए समय निकालेगा। अंतरिक्ष यात्रियों की जीरो ग्रेविटी से बातचीत-स्पेस प्लंबरः क्रिस्टीना कोच ने खुद को 'स्पेस प्लंबर' बताया है। वो ओरियन कैप्सूल के टॉयलेट में आ रही शुरुआती दिक्कतों को ठीक करने में व्यस्त रही हैं। सोने का अनुभवः कमांडर रीड वाइसमैन ने अंतरिक्ष में सोने को मजेदार बताया। उन्होंने मजाक में कहा कि क्रिस्टीना 'चमगादड़ की तरह लटककर' सोती हैं। अद्भुत नजाराःअंतरिक्ष से पूरी पृथ्वी को देखने के पल को वाइसमैन ने यादगार बताया। उन्होंने कहा कि उस शानदार नजारे को चारों अंतरिक्ष यात्री देखते रह गए।पांचवां दिनः चंद्रमा की ग्रेविटी में दाखिल होगा आर्टेमिस-2- 5 अप्रैल मिशन के पांचवें दिन तक धरती के गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव की वजह से कैप्सूल की रफ्तार धीमी हो जाएगी। जैसे ही यह चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र में दाखिल होगा, इसकी गति फिर से बढ़ने लगेगी और यह चांद की ओर तेजी से बढ़ने लगेगा।

भारत बोला- हम अकेले जिसने होर्मुज में नाविक खोए,इस दिक्कत का समाधान बातचीत से ही संभव

ऑनलाइन बैठक में 60 देश शामिल हुए

तेहरान। ब्रिटेन की पहल पर होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए एक बड़ी ऑनलाइन बैठक हुई, जिसमें 60 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में भारत की तरफ से विदेश सचिव विक्रम मिसरी शामिल हुए। बैठक में विक्रम मिसरी ने कहा कि होर्मुज संकट में अब तक सिर्फ भारत के ही नागरिक मारे गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक होर्मुज संकट में अब तक 3 भारतीय नाविक मारे जा चुके हैं, ये सभी विदेशी जहाजों पर काम कर रहे थे। भारत ने कहा कि इस पूरे संकट का हल सिर्फ बातचीत और शांति से ही निकल सकता है। भारत ने सभी देशों से अपील की कि तनाव कम करें और आपसी बातचीत के जरिए रास्ता निकालें। इससे पहले ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा था कि होर्मुज स्ट्रेट उनके कंट्रोल में है और यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बेतुके बयानों से नहीं खुलेगा। यह रास्ता तभी खुलेगा जब उसकी शर्तें मानी जाएंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार सुबह राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका को ईरान जंग में जीत मिली है। साथ ही चेतावनी दी कि अमेरिका 2-3 हफ्ते में ईरान पर बड़ा हमला करेगा। ट्रम्प ने आगे कहा कि ईरान की मिसाइल-ड्रोन क्षमता और नौसेना खत्म हो गई है। सैन्य ताकत काफी कमजोर हो गई है। इस सैन्य अभियान का अहम मकसद पूरा होने वाला है। ट्रम्प ने यह भी चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका, ईरान को स्टोन एज, यानी पाषाण काल में भेज देगा। हालांकि उन्होंने यह दावा भी किया कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो चुका है और नई लीडरशिप पहले से कम कट्टर है। ट्रम्प ने 19 मिनट का भाषण दिया। इसमें कोई नया ऐलान नहीं किया। वही बातें दुहराईं जो पिछले कुछ समय से कहते रहे हैं। उन्होंने युद्ध की लागत और इसके लंबा खिंचने से चिंतित अमेरिकियों से कहा कि वे इस संघर्ष को सही नजरिए से देखें। उन्होंने इराक (8 साल) और वियतनाम (19 साल) जैसे पिछले अमेरिकी युद्धों का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान जंग तो अभी दूसरे महीने में ही पहुंची है। उन्होंने यह भी माना कि लोगों को आर्थिक परेशानी हो रही है, लेकिन कहा कि यह युद्ध जरूरी है। उन्होंने कहा, 'यह आपके बच्चों और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य में निवेश है।' ट्रम्प ने ईरान से युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत की मांग की, जबकि एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि उन्हें समझौते की जरूरत नहीं है। उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट संकट को लेकर कहा कि इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी दूसरे देशों को लेनी चाहिए। हालांकि, एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि होर्मुज खोले बिना कोई समझौता नहीं होगा।

ट्रम्प ने अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को पद से हटाया, एपस्टीन फाइलें ठीक नहीं संभालने का आरोप

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देश की अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को उनके पद से हटा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कि यह फैसला जेफ्री एपस्टीन केस से जुड़ी फाइलों को संभालने के तरीके को लेकर लिया गया। ट्रम्प प्रशासन को लगा कि एपस्टीन मामले की जांच और उससे जुड़े दस्तावेजों को ठीक से हैंडल नहीं किया गया। इसी वजह से ट्रम्प नाराज थे और उन्होंने सख्त कदम उठाते हुए बॉन्डी को पद से हटा दिया। जेफ्री एपस्टीन न्यूयॉर्क का करोड़पति फाइनेंसर था। उसकी बड़े नेताओं और सेलिब्रिटीज से दोस्ती थी। उस पर 2005 में नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा। 2008 में उसे नाबालिग से सेक्स की मांग करने का दोषी ठहराया गया। उसे 13 महीने की जेल हुई। 2019 में जेफ्री को सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। लेकिन मुकदमे से पहले ही उसने जेल में आत्महत्या कर ली। उसकी पार्टनर गिस्लीन मैक्सवेल को 2021 में उसकी मदद करने के आरोपों में दोषी करार दिया गया। वह 20 साल की सजा काट रही है।

सविता समाज भोपाल का मासिक पारिवारिक मिलन समारोह संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) भोपाल। सविता समाज भोपाल द्वारा हर माह आयोजित होने वाला मासिक पारिवारिक मिलन समारोह

माह पुनः संपन्न हुआ। इस आयोजन का शुभारंभ सविता समाज ग्रुप (ए) द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी समाज बंधुओं को इस माह का पारिवारिक मिलन का आयोजन हरिओम सेन द्वारा उनके निज निवास, आकाशवाणी कॉलोनी, भोपाल में किया गया। कार्यक्रम में समाज के अनेक सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द को बढ़ावा मिला। बैठक के दौरान सभी उपस्थित समाजबंधुओं ने सफल आयोजन एवं उत्तम व्यवस्थाओं के लिए हरिओम सेन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और सभी ने भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने की बात कही।

नैनी थाना में पूर्व सैनिक की पिटाई की आंच प्रयागराज जिला अधिकारी तक पहुंची

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। वेटरेनस इंडिया प्रयागराज के साथ समस्त पूर्व सैनिक संगठनों ने आज एसपी

ऑफिस पहुंचकर 3 दिन बाद का समय सीमा समाप्त होने पर नैनी थाना प्रभारी का सस्पेंड का मामला जोर-शोर से उठाया तथा दो सब इंस्पेक्टर को एसपी ऑफिस में तत्काल सस्पेंड करने का आश्वासन दिया तदुपरांत वेटरिनेंस इंडिया संगठन ने एप्लीकेशन की एक प्रति प्रयागराज जिला अधिकारी महोदय को सौंप कर मजिस्ट्रेट जांच की मांग की जिसे जिला अधिकारी महोदय ने तत्काल आदेश देकर पूर्व सैनिकों को भरोसा दिया की दूध का दूध और पानी का पानी अवश्य होगा इस प्रकार रिटर्न इंडिया संगठन पुलिस और एडमिनिस्ट्रेटिव प्रशासन दोनों से उचित कार्रवाई की मांग कर रही है।इस मौके पर वेटरेनस इंडिया के माननीय संदीप सिंह अरुण सिंह प्रहलाद सिंह आरके सिंह शशिकांत राय हरि ओम नरसिंह वेद प्रकाश सुरेंद्र सिंह तथा सूबेदार बीएन प्रसाद के साथ अन्य उपस्थित थे।

गुमशुदा की तलाश

प्रियंका केशरवानी पत्नी सूरज केसरवानी निवासिनी मदरहा कोहड़ार थाना मेजा प्रयागराज उम्र करीब 25 वर्ष जो की दिनांक 09.12.2025 को कांशीराम कॉलोनी नैनी प्रयागराज से लापता है। इनको किसी नें देखा हो तो संपर्क करें बताने वाले कों उचित ईनाम व आने जाने का किराया दिया जायेगा।🙏
संपर्क सूत्र-89539 62365, 9305701387

कंप्यूटर शिक्षक प्रशिक्षण (CTT) कौशल के महत्व पर कॉमिक्स

नेंनी औधेगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागाज

लखनऊ से कोलंबो रवाना हुई भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम, कप्तान आलोक शर्मा के नेतृत्व में खेले जाएंगे 3 टी20 मुकाबले

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम के कप्तान आलोक शर्मा के नेतृत्व में टीम आज Chaudhary Charan Singh International Airport से Colombo के लिए रवाना हुई। टीम के साथ सचिव महेंद्र सिंह एवं संयुक्त सचिव संतोष गुप्ता भी मौजूद रहे। एयरपोर्ट पर खिलाड़ियों को तिरंगे के साथ भावपूर्ण विदाई दी गई। लखनऊवासियों ने टीम का जोरदार स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की। खिलाड़ियों के उत्साह और जोश ने वहां मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया। यह दौरा दिव्यांग

क्रिकेटरों के हौसले को बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिभा को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। टीम 3, 4 और 5 अप्रैल को Colombo में तीन टी20 मुकाबले खेलेगी। कप्तान आलोक शर्मा ने प्रस्थान से पहले कहा कि पूरी टीम देश का नाम रोशन करने के लिए पूरी तरह तैयार है और सभी खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं। वहीं सचिव महेंद्र सिंह ने बताया कि यह श्रृंखला दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा मंच साबित होगी और भविष्य में ऐसे और अंतरराष्ट्रीय अवसर प्रदान किए जाएंगे। भारतीय टीम के इस दौरे से न केवल खेल को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि समाज में दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रति सम्मान और प्रेरणा भी बढ़ेगी।

जिलाधिकारी ने क्रॉप कटिंग कराकर गेहूँ की उत्पादकता का किया आकलन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गेहूँ की पैदावार की हकीकत देखने के लिए जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने सदर तहसील क्षेत्र के सतांव ब्लॉक के पड़री गनेशपुर गांव में पहुंची। उनकी देखरेख में क्रॉप कटिंग कर उत्पादकता का आकलन किया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत फसल गेहूँ कटाई के 03 खेतों मे प्रयोग किए गए। एक निश्चित त्रिकोण क्षेत्र में फसल कटाई करके यह देखा गया कि कितनी उत्पादकता प्राप्त हो रही है। जिसके अंतर्गत तीन खेतों में क्रॉप कटिंग की गई, जिसमें गाटा संख्या 294 में लगभग 26.150 किग्रा के हिसाब से 60

कुंतल/हेक्टेयर उत्पादकता उपज प्राप्त हुई। इसी प्रकार गाटा संख्या 162 में 09.160 किग्रा के हिसाब से 21 कुंतल/हेक्टेयर एवं गाटा संख्या 414 में 10.500 किग्रा के हिसाब से 24 कुंतल/हेक्टेयर उत्पादकता उपज प्राप्त हुई। बता दें कि क्रॉप कटिंग से फसल की पैदावार देखी जाती है इसमें रेंडम आधार पर खेतों को चुनकर फसल की उत्पादकता का आकलन किया जाता है। कम उत्पादकता होने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत जनपद में कार्यरत बीमा कंपनी किसानों को लाभ देती है, इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फसल बीमा करा लेना चाहिए। इस मौके पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा, तहसीलदार आकृति श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक संत लाल, लेखपाल विकास कुमार उपस्थित रहें।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

साध्वी सुशीला अपने शरीर को जनमानस के हित के लिए सौंप कर अनंत यात्रा को चली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रायबरेली/कानपुर,

बारा देवी कानपुर निवासिनी श्रीमती सुशील पांडेय पत्नी स्वर्गीय रवि शंकर पांडेय यूं तो वह गृहस्थ जीवन व्यतीत कर रही थी, किंतु उनका जीवन एक साध्वी से कम नहीं था। उन्होंने स्वयं तो कोई पुत्र / पुत्री पैदा नहीं की किंतु परिवार और मोहल्ले के सभी बच्चों को वह अपना मातृत्व प्रदान करती थी। उन्होंने अपना सारा जीवन एक साध्वी की तरह व्यतीत किया। वह नियमित धार्मिक अनुष्ठान जनमानस के लिए किया करती थी। वर्ष 2024 में उन्होंने लोकहित के लिए अपने शरीर को दान में देने का निर्णय किया था, उनकी मृत्यु के बाद उनके परिवारीजनों ने कानपुर मेडिकल कॉलेज को सूचित किया और डॉक्टरों की एक टीम परिवारजनों से उनकी देह को प्राप्त कर एम्स गोरखपुर को हस्तांतरित कर दिया। महर्षि दधीचि देहदान अभियान के प्रमुख मनोज सेंगर एवं माधुरी सेंगर ने बताया कि अब तक 320 लोगों द्वारा अपना शरीर इस अभियान के तहत दान किया गया है। 77 वर्षीय सुशीला पाण्डेय के पार्थिव शरीर सहित अब तक कुल 07 शरीर एम्स गोरखपुर को सौंपे गए हैं। एम्स गोरखपुर के प्रभारी डॉ.विवेक मिश्र ने सम्मान सहित पार्थिव शरीर को प्राप्त किया। सुशीला पाण्डेय के इस प्रण पर चारों तरफ सराहना हो रही है तथा उन्हें युग दधीचि की उपाधि से संबोधित किया।

जनपद ने 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' के निर्धारित लक्ष्य को किया पूर्ण,लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित कराने में बैंकों का रहा महत्वपूर्ण योगदानः परमहंस मौर्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित कर ली गयी है।

जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशन तथा मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता के पर्यवेक्षण में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत जनपद ने अपने निर्धारित लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अन्तर्गत जनपद को आवंटित 2300 के लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस योजना में जनपद के प्रमुख बैंकों के सहयोग से 2300 के 2300 के लक्ष्य के सापेक्ष बैंकों द्वारा 2303 पत्रावलियों का वितरण किया गया है, जिसका कुल वितरण प्रतिशत 100.13 प्रतिशत रहा। बैंक ऑफ महाराष्ट्र, भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, आईडीबीआई बैंक एवं यूको बैंक द्वारा आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति की गयी है। जनपद की 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित कराने में उक्त बैंकों का महत्वपूर्ण योगदान है। उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य द्वारा अवगत कराया गया कि जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी महोदया के कुशल निर्देशन उनके द्वारा योजना के नियमित एवं प्रभावी अनुश्रवण व अग्रणी जिला प्रबंधक के विशेष सहयोग उनके द्वारा किये गये परिश्रम के कारण योजनान्तर्गत शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित की गयी है। शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने वाले 24 जनपदों में जनपद रायबरेली भी सम्मिलित है।

यमुनेश्वर बाला जी धाम में हनुमान जन्मोत्सव धूम धाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर सेक्टर 135 नगली बाजिदपुर के समीप स्थित सिद्धपीठ यमुनेश्वर बालाजी धाम में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंदिर समिति के सदस्य राघवेंद्र दुबे ने बताया कि यमुनेश्वर बालाजी महाराज के जन्मोत्सव पर अभिषेक कर उनकी पूजा अर्चना विद्वान ब्राम्हणों द्वारा विधि विधान से की गई। इस अवसर पर हवन यज्ञ किया गया। बालाजी धाम के महंत मुकेशानंद गिरी महाराज के सानिध्य में अखंड पाठ का आयोजन हुआ जिसका श्रीगणेश बुधवार को हुआ और बृहस्पतिवार को विराम हुआ। अखंड पाठ के बाद आरती और प्रसाद का वितरण हुआ। हनुमान जी महाराज का श्रृंगार कर उनको छप्पन भोग अर्पित किए गए। इस अवसर पर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारा देर शाम तक अनवरत जारी रहा। इस अवसर पर महन्त मुकेशानंद गिरी महाराज ने कहा कि प्रभु श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी महाराज की आराधना जो भी भक्त करता है उसके लिए संसार में कुछ भी दुर्लभ नहीं है। हनुमान जी महाराज कलयुग के प्रत्यक्ष देवता हैं जिनकी भक्ति से अष्ट सिद्धि, नवनिधि के साथ आरोग्यता प्राप्त होती है। हनुमान जी की आराधना सभी कष्टों को दूर कर मनवांछित फल देने वाली है। इस मौके मनोज गोयल, बिजेंद्र चौहान, सुरेंद्र चौहान, सुशील पाल, सुशील कुमार, गुड्डू चौधरी, सुभाष शर्मा, उत्तम कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

स्मार्ट मीटर की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया तो होगा धरना प्रदर्शन - राघवेंद्र दुबे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेक्टर 82 में स्मार्ट मीटर से लगातार होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए आरडब्ल्यूए द्वारा एक कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें स्मार्ट मीटर से संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लोगों की समस्याओं को सुनकर नोट किया। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि स्मार्ट मीटर लोगों के लिए गले का फंदा बन गया है। फ्लैट नंबर 1/1 में तीन दिन से लाइट कटी हुई है उनके बच्चे छोटे छोटे हैं और बेहद परेशान हैं। 18/10, 4/4, 12/1 , 28/12 सहित तमाम ऐसे फ्लैट हैं जिसमें अमाउंट ज्यादा जमा होने के बाद भी लाइट नहीं जुड़ रही है। कुछ फ्लैट ऐसे भी जिनमें दो दो मीटर लगा दिए गए हैं। स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनी ने घोर लापरवाही की है इसका कारण विद्युत विभाग द्वारा सही से मॉनिटरिंग ना करना है। मीटर की सीलिंग रिपोर्ट तक सभी को नहीं मिली और बिना सहमति के बिना जानकारी के लोगों के यहां जबरन स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। मेरा खुद का मीटर बिना मेरी सहमति के लगा। पहले मीटर लगाने से पहले मोबाइल पर पासवर्ड आता था इसके बाद ही मीटर लगता था लेकिन बाद में इन्होंने फर्जी मोबाइल नंबर डालकर उसी से पासवर्ड लेकर लोगों की बिना जानकारी स्मार्ट मीटर लगा दिए। फ्रॉड करने वाली कंपनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाए। कैंप में केवल समस्याओं को नोट किया गया लेकिन समाधान नहीं हो सका। जेई स्मार्ट मीटर नवीन कुमार के साथ अन्य कर्मचारी रहे लेकिन कोई आला अधिकारी नहीं आया। सक्षम अधिकारियों को आना चाहिए था जिससे समस्या का तुरंत समाधान होता । देर रात तक मेरे पास लोगों के फोन आते रहते हैं कि लाइट काट दी गई है। 1912 नंबर या तो बहुत व्यस्त रहता है या फिर कोई उठाता नहीं है और विद्युत विभाग के अधिकारी भी फोन नहीं उठाते जिससे लोग बेहद परेशान हैं। गर्मी का मौसम है इसके बाद दो तीन दिन तक लाइट कट जाए तो कितनी बड़ी परेशानी खड़ी हो जाती है। विद्युत विभाग या तो 15 दिन में अपनी व्यवस्था सुधारे नहीं तो इनके खिलाफ धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर सुशील पाल, उत्तम चन्द्रा, विकास कुमार, सुभाष शर्मा, विष्णु शर्मा सहित तमाम लोग मौजूद रहे ।

श्रीराम कथा में श्रीराम जानकी विवाह धूमधाम से मनाया गया,लखन हृदय लालसा विशेषी। जाइ जनकपुर आयहु देखी।।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 स्थित

ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेंट्रल पार्क में आयोजित श्रीराम कथा के पांचवें दिन हनुमान जयंती के पावन पर्व पर कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज के सानिध्य में हनुमान जी का हजारी पूजन बड़े धूमधाम से मनाया गया। कथा पंडाल में सुबह 5 बजे से भक्तों का जमावड़ा लग गया था। जय श्री राम के नारों से पूरा पंडाल भक्ति मय हो गया था। हनुमान जयंती पर आचार्यो द्वारा विधिवत पूजन कराया गया तत्पश्चात आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। श्री राम कथा के पांचवें दिन कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने श्रीराम सीता विवाह, लक्ष्मण परशुराम संवाद आदि प्रसंगो जनकपुरी पहुंचने पर मुनि समेत दोनों भाइयों का जनक जी द्वारा भव्य स्वागत सत्कार किया जाता है। जनक जी अपनी प्रतिज्ञा से सभी को अवगत कराते हैं कि जो भी शिव धनुष को तोड़ेगा उसी के साथ जानकी का विवाह होगा। जनक जी का प्रण सुनकर देश देशांतर के बलशाली राजा आए लेकिन तमाम कोशिश के बाद भी धनुष नहीं तोड़ पाए । गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर भगवान राम ने धनुष उठा लिया। भगवान राम के छूते ही धनुष टूट गया और जानकी जी ने राम जी के गले में वरमाला डाल देती हैं। देवता ऊपर से पुष्प वर्षा करते हैं और चारों ओर खुशियां छा जाती हैं। श्री राम कथा आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी देव मणि शुक्ल ने बताया कि 3 अप्रैल को राम राज्याभिषेक की तैयारी, राम वनवास, केवट संवाद आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन कथा व्यास द्वारा किया जाएगा। श्री राम जानकी विवाह के मुख्य यजमान नागेश सिंह एवं श्रीमती सुमन सिंह थी। इस अवसर पर देव मणि शुक्ल , सिया राम, रवि राघव, गोरे लाल, अनूप सिंह, रमेश कुमार वर्मा, संजय पांडेय, अंगद सिंह तोमर,हरि शंकर सिंह, ब्रिजेन्द्र सिंह, सत्येन्द्र प्रताप सिंह,रमेश चंद शर्मा, विष्णु शर्मा,हंस मणि शुक्ल, संगम प्रसाद मिश्र, बी के भारद्वाज, आशीष कुड्डू, विजय जी,विनोद मुद्गल,विकास शर्मा, रविंद्र सिंह , विजय कुमार झा , घनश्याम जोशी, सर्वेश कुमार तिवारी, दीपक तिवारी, राकेश कुमार, दिनेश पाठक, कमल यादव, संजीव कुमार मिश्रा, अनिल कुमार शर्मा, अनिल कुमार चौधरी, आयुष तिवारी, अवनीश तिवारी, विकास कुमार, गिरिराज जी, पंकज झा, मुरारी झा, राजेश कुमार पाठक, संजय मग्गू, देव नारायण तिवारी, पदम सिंह, प्रदीप सिंह परमार,शिव चौधरी,राम भरोसे झा, उपेंद्र सिंह, राजेश कुमार सिंह, बृजेश चंद्र पांडेय, प्रभात रंजन, राकेश कुमार यादव, प्रमोद दीक्षित, धर्मेंद्र सिंह, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, शिव कुमार पाठक, कृष्णा दूबे, मनीष मिश्रा, सी एल तिवारी, रंजन गिरि, मुक्तेश भारद्वाज, नागेश सिंह, सुभाष चन्द्र शर्मा, अंशु झा, हनुमान कुमार,एस पी मिश्रा, प्रदीप कुमार यादव,पान सिंह, शिव कुमार चौधरी सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

''तापस बेष विशेष उदासी,चौदह बरिस राम बनवासी'

कथा सुनने से ही जीव कल्याण संभव - महामंडलेश्वर,श्री राम कथा के छठे दिन वन गमन एवं केवट श्री राम संवाद का मार्मिक बर्णन हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 स्थित

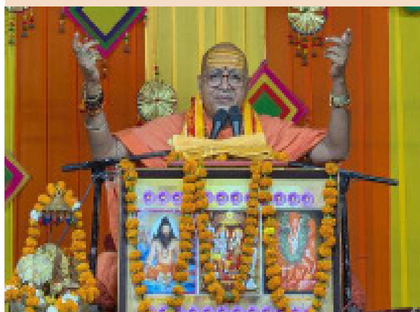

ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेंट्रल पार्क में आयोजित श्रीराम कथा के छठवें दिन कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद महाराज ने आगे का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि भगवान राम, माता सीता और सभी भाइयों के विवाह के बाद अवध में आ जाते हैं । महाराज दशरथ गुरु से आज्ञा लेकर राम को युवराज बनाने की घोषणा करते है पूरी अयोध्या में खुशी छा जाती है। सभी देवता यह जानकर परेशान हो जाते हैं कि अगर राम का राज्याभिषेक हो जाएगा तो राक्षसों का वध कैसे होगा। सरस्वती जी से सभी प्रार्थना करते हैं और सरस्वती जी मंथरा की बुद्धि को पलट देती हैं वह कैकयी को अपने दो वरदान राजा दशरथ से मांगने के लिए कहती है। कैकयी कोपभवन में चली जाती है और दशरथ से दो

वरदान मांगती है कि भरत को राज्य और राम को वनवास। दशरथ जी अचेत हो जाते है। रामजी लक्ष्मण और सीता के साथ वन को चले जाते हैं। केवट प्रसंग सुनाते हुए व्यास जी ने बताया कि गंगा किनारे पहुंचने पर केवट से नाव लाने को कहते है। ' मांगी नाव न केवट आना, कहहु तुम्हार मरमु में जाना' केवट कहता है कि मैं तुम्हारा मर्म जनता हूँ। जिनकी चरण रज लगते ही पत्थर

की शिला नारी बन गयी अगर मेरी नाव भी नारी बन गयी तो मेरी रोजी रोटी का क्या होगा। बिना पैर धुलवाए आपको नाव में नहीं बैठाउँगा । ' अति आनंद उमगि अनुरागा, चरण सरोज पखारन लागा'। ऐसा कहकर भगवान राम , लक्ष्मण और सीता के पैर धोकर पूरे परिवार सहित उस चरणोदक को पीता है। इसके बाद गंगा के पार उतारता है। इस अवसर पर श्री राम कथा आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी देव मणि शुक्ल ने बताया कि 4 अप्रैल को राम और भारद्वाज मुनि का संवाद सहित कई प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इस मौके पर नागेश सिंह, कपिल मुनि पांडेय, अनूप सिंह, विजय कुमार,रवि राघव, उपेंद्र सिंह , गोरे लाल, संजीव ढाली,रमेश वर्मा, सिया राम ,संजय पांडे, हरि शंकर सिंह, रमेश दास, सी एल तिवारी, विष्णु शर्मा, विश्वनाथ त्रिपाठी, गौरव, रविंद्र कुमार ,हंस मणि शुक्ल, अंगद सिंह तोमर, शिव सिंह चौधरी,धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, संदीप, संगम प्रसाद मिश्रा, प्रकाश जोशी,सर्वेश कुमार तिवारी, रविन्द्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह, पंकज झा, विजय कुमार झा, शिव चौधरी, पी के पांडेय, राकेश कुमार शर्मा, मुरारी झा, मनीष पांडेय, बृजेश चंद्र पांडेय, राजेश कुमार सिंह, बिजेंद्र सिंह, रमेश चंद्र शर्मा, गिरि राज जी, प्रदीप सिंह परमार फौजी, प्रमोद दीक्षित, कृष्णा दूबे, सत्येन्द्र प्रताप सिंह,मनीष मिश्रा, विनोद मुदगल, अजय सिंह, अनिल कुमार चौधरी, अवनीश कुमार शर्मा, देव नारायण तिवारी, अनिल कुमार शर्मा, राजवीर सिंह, पदम सिंह, विकास कुमार, दीपक तिवारी, राकेश कुमार, राजेश कुमार पाठक, संजय मग्गू, संजय तिवारी, विकास शर्मा, सुभाष चन्द्र शर्मा, घनश्याम जोशी, पान सिंह, हनुमान कुमार, दिनेश पाठक, रंजन गिरि, शिव कुमार पाठक,राम भरोसे झा, आयुष तिवारी, अवनीश तिवारी, आशीष कुड्डू, संजीव कुमार मिश्रा, कमल यादव, बी के भारद्वाज, सुबोध तिवारी, अरविंद परिहार, अंशु झा, संजय कर्ण, सुरेश उपाध्याय, प्रभात रंजन, लाल बाबू शर्मा, कुंदन सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

भाजपा नैनी मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी/प्रयागराज भारतीय जनता पार्टी नैनी मंडल द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय

प्रशिक्षण महाभियां 2026 का सफल आयोजन नैनी स्थित अभिनंदन पैलेस में सम्पन्न् हुआ। इस मा प्रशिक्षण अभियान की शुरुआत उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मंत्री एवं शहर दक्षिणी विधायक नंद गोपाल गुप्ता नंदी जी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ गया। जिसमें उन्होंने राज्य सरकार व केंद्र सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियां एवं भारत के बढ़ते कदमो की प्रशंसा किया। प्रशिक्षण महाभियान् मुख्ता 7 भागों में हुआ, जिसमें की वक्ता के रूप में सर्वप्रथम लोकप्रिय मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी जी, महानगर मंत्री दीप द्विवेदी जी प्रयागराज की लोकप्रिय पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी जी, प्रदेश विधि प्रकोष्ठ के संयोजक श्री रणजीत सिंह जी, प्रशिक्षण अभियान सहसंयोजक नागेश जी, लोकप्रिय महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी द्वारा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया।सम्मानित वक्ताओं ने कहा कि हम सत्ता के लिए नहीं, परंतु 'सत्ता में गुणात्मक परिवर्तन के लिए आए हैं' क्योंकि सत्ता साधना मां भारती को परम वैभव तक ले जाने का संकल्प है, जिसके लिए हमारे पूर्वजों ने अपना सर्वस्व निछावर कर दिया। उन्ही के आदर्शों पर चलकर भाजपा के कार्यकर्ता 'सेवा ही संगठन' के भाव को लेकर कार्य कर रहे हैं।प्रशिक्षण महाभियान् में नैनी मंडल के अध्यक्ष रजत दुबे अपनी समस्त टीम के साथ, महामंत्री ओमप्रकाश मिश्रा, पूर्व महानगर अध्यक्ष भाजयुमो श्री नर सिंह जी, पूर्व मंडल अध्यक्ष हरिकिशन तिवारी, लक्ष्मीकांत तिवारी, राम लखन देवबंशी, नैनी के समस्त सम्मानित पार्षद गण, पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता गण ने प्रशिक्षण महाभियां को सफल बनाया।

भारतीय डाक और इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा आयोजित 'जनरल इंश्योरेंस सुपर धुरंधर' अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उत्तर गुजरात परिक्षेत्र ने राष्ट्रीय स्तर पर बनाई सशक्त पहचान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अहमदाबाद। इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने देश के हर कोने, विशेषकर ग्रामीण भारत में बैंकिंग सेवाओं को

आमजन तक पहुँचाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। 'आपका बैंक, आपके द्वार' की संकल्पना को साकार करते हुए 'वित्तीय समावेशन' और 'डिजिटल इंडिया' मिशन को नई गति प्रदान करने में

उत्तर गुजरात क्षेत्र में 8.43 लाख से ज्यादा इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक खाते संचालित, 'आपका बैंक, आपके द्वार' की संकल्पना को कर रहा साकार - पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

आईपीपीबी निरंतर अहम् भूमिका निभा रहा है। उक्त उद्गार उत्तर गुजरात परिक्षेत्र, अहमदाबाद के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। डाक विभाग द्वारा 01 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक आयोजित 'जनरल इंश्योरेंस सुपर धुरंधर' अभियान में उत्तर गुजरात क्षेत्र ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि हेतु सभी ग्रामीण डाक सेवक, ब्रांच पोस्टमास्टर, पोस्टमैन सहित मण्डलाधीक्षकों, उपमंडलीय निरीक्षक और इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक मैनेजर्स को बधाई दी। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा की यह उपलब्धि क्षेत्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कड़ी मेहनत, समर्पण, टीमवर्क एवं प्रभावी कार्यनीति का प्रतिफल है। अभियान के दौरान ग्राहकों तक बीमा सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, जन-जागरूकता सृजित करने तथा सेवा गुणवत्ता में सुधार पर विशेष ध्यान दिया गया। आईपीपीबी के चीफ मैनेजर श्री अभिजीत जिभकाटे ने इस अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि आईपीपीबी के माध्यम से डाकिया और ग्रामीण डाक सेवक आज एक चलते फिरते बैंक के रूप में कार्य कर रहे हैं। सीईएलसी के तहत घर बैठे 5 साल तक के बच्चों का आधार बनाने और मोबाइल नंबर अपडेट करने, डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट, डीबीटी, बिल पेमेंट, एईपीएस द्वारा बैंक खाते से भुगतान, वाहनों का बीमा, स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना जैसी तमाम सेवाएं आईपीपीबी द्वारा डाकिया के माध्यम से घर बैठे मुहैया कराई जा रही हैं। आईपीपीबी में खाता होने पर डाकघर की सुकन्या, आरडी, पीपीएफ, डाक जीवन बीमा में भी ऑनलाइन जमा किया जा सकता है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि भारतीय डाक और इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा आयोजित 'जनरल इंश्योरेंस सुपर धुरंधर' अभियान में उत्तर गुजरात क्षेत्र ने रु1,50,85,834 के निर्धारित प्रीमियम लक्ष्य के सापेक्ष रु1,53,75,607 का प्रीमियम अर्जित करते हुए 101.92फीसदी की उपलब्धि हासिल की है, जिससे उत्तर गुजरात क्षेत्र ने सफलतापूर्वक इस अभियान में क्वालिफाई किया। वर्तमान में उत्तर गुजरात

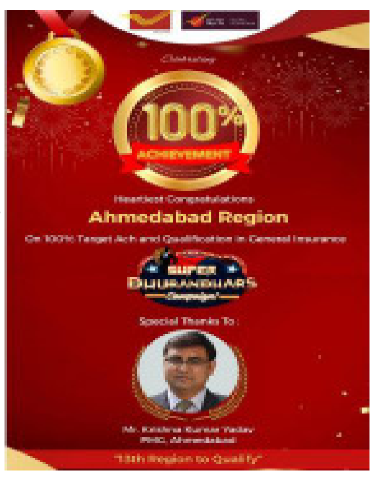

क्षेत्र में 8.43 लाख से ज्यादा आईपीपीबी खाते संचालित हैं, जिनमें इस वित्तीय वर्ष में कुल 1.43 लाख से ज्यादा खाते खोले गए। एक लाख से ज्यादा लोगों ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 'जनरल इंश्योरेंस' कराया, जिसमें अकेले 'सुपर धुरंधर' अभियान में 23,500 लोगों ने इसका लाभ उठाया। सहायक निदेशक श्री रितुल गाँधी ने बताया कि उत्तर गुजरात क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 6 मंडल में से 5 मंडल–अहमदाबाद सिटी, बनासकांठा, महेसाणा, पाटन एवं साबरकांठा–ने शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर अभियान में सफलता प्राप्त की। इन मंडलों ने 100फीसदी से अधिक उपलब्धि दर्ज कर क्षेत्र की कुल सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के चीफ मैनेजर श्री अभिजीत जिभकाटे ने बताया कि देशभर के कुल 63 पोस्टल रीजन में से केवल 15 रीजन ही इस अभियान में सफल हो सके, जिनमें उत्तर गुजरात परिक्षेत्र भी शामिल है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि को हासिल करने में पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव द्वारा प्रारंभ किया गया 'पोस्टल वॉरियर' अभियान अत्यंत प्रभावी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। इस अभियान के माध्यम से डाक कर्मियों में प्रतिस्पर्धा की भावना, टीमवर्क एवं लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया गया, जिसके परिणामस्वरूप जनरल इंश्योरेंस सेवाओं की पहुँच व्यापक स्तर पर बढ़ी और उत्कृष्ट प्रदर्शन संभव हो सका। इस अवसर पर प्रवर डाक अधीक्षक श्री चिराग मेहता, आईपीपीबी चीफ मैनेजर श्री अभिजीत जिभकाटे, सीनियर मैनेजर सुश्री प्रियंका कुमारी, सीनियर पोस्टमास्टर अहमदाबाद जीपीओ श्री संदीप कुशवाह, सहायक निदेशक श्री वी एम वहोरा, श्री अल्पेश शाह, श्री रितुल गाँधी, सीनियर पोस्टमास्टर श्री पी जे सोलंकी सहित तमाम अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

हनुमान जन्मोत्सव पर हुआ भव्य भजन संध्या का आयोजन, झूमे भक्त

गायकों ने सोहर, गीत और सुंदर भजन प्रस्तुत की दी प्रस्तुति- मंदिर के पुजारी राजकुमार पांडे द्वारा की गई हनुमान जी की भव्य संध्या आरती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र। गायक सुरज गुप्ता, छोटू शुक्ला व सुषमा शर्मा ने हनुमान जन्म अवसर पर लक्ष्मण केसरी द्वारा भंडारे का आयोजन कराया

हनुमान जन्मोत्सव पर गुरुवार की देर शाम को सीएमओ कार्यालय के पास स्थित श्री संकट मोचन मंदिर परिसर में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसके पूर्व मंदिर के पुजारी राजकुमार पांडे द्वारा हनुमान जी की भव्य संध्या आरती कर 101 किलो का केक काटा गया। जिसमे भारी संख्या में भक्त जन उपस्थित रहें। वही भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन उत्सव के अवसर पर सोहर, गीत और सुंदर भजन प्रस्तुत किया। जिसे सुनकर वहां उपस्थित भक्त मंत्रमुग्ध होकर झूमने लगे। भजन गायको के साथ आर्गन पर अंकित, ऑक्टो पैड पर अनुपम, ढ़ोलक पर सर्वेश सिंह ने संगत किया। वहीं जय मां गायत्री इवेंट ग्रुप के आकाश गुप्ता और उनकी टीम द्वारा हनुमान जी, भगवान भोलेनाथ, मां दुर्गा सहित विभिन्न झाकियां प्रस्तुत की गई। इस गया। कार्यक्रम का समापन भक्तों में प्रसाद वितरण के साथ किया गया। इस अवसर पर राजन, संतोष शुक्ला, केतन, हिमांशु, दादे, अभिषेक, राहुल, शिवम्, शिवेंद्र, आत्मराम, अमरेश गुप्ता, देवानंद, अजय, अरुण, कन्हैया,मनीष, गोलू, राजा, मोनू, अभिषेक, राजीव, प्रखर, अमन, अर्पित गुप्ता, राहुल ओझा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कोडिन कफ सिरप मामले में फरार आरोपी की संपत्ति कुर्क,चल संपत्ति चिह्नित

सोनभद्र। पुलिस ने कोडिन युक्त कफ सिरप से जुड़े मामले में फरार आरोपी के खिलाफ सख्त

कार्रवाई करते हुए कोर्ट के आदेश पर उसके घर की संपत्ति कुर्क कर दी। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। रॉबट्र्सगंज थाने में दर्ज कोडिन युक्त कफ सिरप के मामले में न्यायालय के आदेश पर फरार आरोपी की संपत्ति कुर्क की गई है। मामले में वाराणसी के गोला दीनानाथ, कबीर चौरा निवासी विजय गुप्ता पुत्र राजेंद्र प्रसाद गुप्ता को नामजद किया गया है। जो 'मेसर्स शिवशक्ति फार्मा' का प्रोप्राइटर बताया जा रहा है। आरोपी के खिलाफ बीएनएस और एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज हैं और वह 30 दिसंबर 2025 से फरार चल रहा है।न्यायाधीश सोनभद्र ने आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए धारा 85 बीएनएसएस के तहत कुर्की का आदेश जारी किया था। इसी आदेश के अनुपालन में पुलिस टीम ने आरोपी के वाराणसी स्थित आवास पर कार्रवाई की। कुर्की की कार्रवाई के दौरान पुलिस ने स्थानीय गवाहों की मौजूदगी में उद्घोषणा की और आरोपी की चल संपत्ति को चिह्नित कर जब्त किया। इस दौरान घर से विभिन्न घरेलू सामानों को विधिवत कुर्क किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे मामलों में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि नशे से जुड़े किसी भी अवैध कारोबार की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समाज को सुरक्षित और नशामुक्त बनाया जा सके।

तेज आंधी के चलने से गेहूं की फसल प्रभावित,अचानक बदला मौसम किसान देख रहे आसमान

सोनभद्र। दीवा ग्राम में 03 अप्रैल 2026 को अचानक मौसम प्रभावित हुई है। कई खेतों में 25 से 50 प्रतिशत तक फसल नुकसान हो रहा है। लगातार हुई बारिश से कुछ खेतों में पानी भर गया है,

में बदलाव आया। दोपहर में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई, जिससे गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचा। इस अप्रत्याशित बारिश और तेज हवाओं ने ग्रामीण जनजीवन को कुछ समय के लिए प्रभावित किया। खड़ी गेहूं की फसल को हुए नुकसान से किसान गहरी चिंता में हैं। कई किसानों की सालभर की मेहनत और लागत की संभावना जताई जा रही है। तेज हवा के कारण गेहूं की फसल जमीन पर बिछ गई है, जिससे कटाई मुश्किल होगी और उपज में 20 से 40 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। इससे मजदूरों की लागत भी बढ़ेगी। खराब मौसम के कारण कई स्थानों पर पकी हुई बालियों से दाने झड़ने लगे हैं, जिससे उत्पादन में सीधा नुकसान जिससे गेहूं की जड़ें गलने और दानों की गुणवत्ता खराब होने का खतरा बढ़ गया है। लगातार नमी के कारण दानों में दाग पड़ने और उनके हल्के होने की आशंका है। इससे मंडी में फसल का कम दाम मिल सकता है। मौसम विशेषज्ञों ने अगले कुछ दिनों में भी क्षेत्र में हल्की बारिश की संभावना जताई है।

बाइक-साइकिल की टक्कर,साइकिल सवार युवक गंभीर घायल, सीएचसी में भर्ती कराया

सोनभद्र। जनपद के घोरावल कोतवाली क्षेत्र के फुलवारी गांव अनुसार, मझिगवां चौहान गांव निवासी भुवनेश्वर (40 वर्ष), पुत्र गए। बाइक सवार घटना स्थल से फरार हो गया। परिजनों ने

में शुक्रवार देर शाम एक बाइक और साइकिल की टक्कर हो गई। इस हादसे में साइकिल सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया है। जानकारी के खिलाड़ी, शुक्रवार शाम करीब 7 बजे घोरावल बाजार से साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। फुलवारी गांव के पास सामने से आ रही एक बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जोरदार थी कि भुवनेश्वर गंभीर रूप से घायल हो तत्काल घायल भुवनेश्वर को घोरावल सीएचसी पहुंचाया। सीएचसी में डॉक्टर देवेश पांडेय ने बताया कि भुवनेश्वर के सीने और हाथ-पैरों में चोटें आई हैं। उनकी हालत में सुधार हो रहा है और उनका इलाज जारी है।

सोनभद्र में 70 लाख जीएसटी चोरी करने वाला गिरफ्तार,फर्जी फर्म बनाकर करता था संचालित

सोनभद्र। सोनभद्र पुलिस ने कर अपवंचन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 70 लाख रुपए के फर्जी अनुसार, आरोपी ने बिना किसी वास्तविक व्यापार के फर्जी कागजी लेन-देन दिखाकर सरकारी राजस्व

जीएसटी घोटाले का खुलासा किया है। मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से नकदी, मोबाइल और फर्जी दस्तावेज बरामद किए गए हैं। रॉबट्र्सगंज कोतवाली क्षेत्र में दर्ज मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर करीब 70 लाख रुपए के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) घोटाले का खुलासा किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान चोपन थाना क्षेत्र के डाला बाजार निवासी आसिफ अली पुत्र रुस्तम अली के रूप में हुई है। आरोपी ने 'M/S D.K. Associates' नाम से फर्म का जीएसटी पंजीकरण कराया था। जांच में सामने आया कि आरोपी ने अलग-अलग वित्तीय वर्षों में करीब 70 लाख रुपये का बोगस आईटीसी क्लेम किया। उसने अपने रिटर्न में आईटीसी रिवर्सल दिखाया, लेकिन खरीद-बिक्री से जुड़े कोई वैध दस्तावेज जैसे टैक्स इनवॉइस, बिल्टी या ई-वे बिल प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस के को नुकसान पहुंचाया, जो गबन की श्रेणी में आता है। एसआईटी टीम ने तकनीकी विश्लेषण और डेटा मॉनिटरिंग के आधार पर 2 अप्रैल को शाम करीब 4:30 बजे आरोपी को डाला स्थित वैष्णो देवी मंदिर के सामने से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से दो मोबाइल फोन, फर्जी दस्तावेजों से भरी एक फाइल, एक Maruti XL6 कार और 26,450 रुपए नकद बरामद किए गए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार ने बताया-फर्जी फर्मों के जरिए जीएसटी चोरी करने वाले कई लोगों की पहचान की गई है। रॉबट्र्सगंज थाने में कई मुकदमे दर्ज किए गए हैं। आरोपी केवल कागजों पर लेन-देन दिखाकर आईटीसी का दुरुपयोग कर रहा था, जबकि कोई वास्तविक व्यापार नहीं हुआ। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। मामले की जांच जारी है। अन्य आरोपियों की भी तलाश की जा रही है।

म्योरपुर में कुएं में गिरने से बुजुर्ग की मौत

सोनभद्र। म्योरपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर शाम एक 70 वर्षीय वृद्ध की कुएं में गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान भरत अग्रहरी पुत्र स्वर्गीय मल्लू के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, भरत अग्रहरी गुरुवार शाम अपने घर के आंगन में बने कुएं के पास बैठे थे। अचानक असंतुलित होकर वह कुएं में गिर गए। परिजनों ने तत्काल उन्हें कुएं से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) म्योरपुर ले जाया गया। वहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. पल्लवी सिन्हा ने प्राथमिक जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना म्योरपुर थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी हाउस में रखवा दिया। शुक्रवार सुबह मृतक के पुत्र ने थाने में तहरीर दी। पुलिस ने पंचनामा की कार्यवाही पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया है। थाना प्रभारी रविकांत मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

इंस्टेंट नूडल्स खाने में भारत चौथे नंबर पर,न्यूट्रिशनिस्ट की चेतावनी, ज्यादा खाने से बढ़ेगा बीपी और इंफ्लेमेशन

नयी दिल्ली। पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा इंस्टेंट नूडल्स खाने वाले देशों में भारत चौथे नंबर पर

है। वर्ल्ड इंस्टेंट नूडल्स एसोसिएशन (डब्लूआईएनए) के मुताबिक वर्ष 2023 में हमारे यहां इंस्टेंट नूडल्स की खपत 8.7 अरब सर्विंग्स नूडल्स पर पहुंच गई। वर्ष 2018 से 2023 के बीच भारत में इंस्टेंट नूडल्स का मार्केट 13फीसदी की कंपाउंड रेट के साथ बढ़ा है। फिलहाल ऑथेंटिक आंकड़े तो 2023 तक के उपलब्ध हैं, लेकिन यह मार्केट तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि लोगों की खाने की आदतें बदल रही हैं। शहरों की आबादी बढ़ रही है और लोगों के खर्च करने की क्षमता में भी इजाफा हो रहा है। साल 2024 में इस मार्केट की कीमत अरबों अमेरिकी डॉलर हो गई है और 2030 तक इसके और भी ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है। लेकिन क्या रोज इन्हें खाना ठीक है? क्या हम सिर्फ इंस्टेंट नूडल्स पर जिंदा रह सकते हैं और स्वस्थ भी? कई लोग इसे घर का आरामदायक खाना मानते हैं। अगर ये रोज का खाना बन जाएं तो सेहत पर क्या असर पड़ता है? आज 'फिजिकल हेल्थ' में हम इसी पर बात करेंगे। जानेंगे कि- इंस्टेंट नूडल्स के कौन से तत्व नुकसान पहुंचाते हैं? रोज खाने से कौन-कौन सी बीमारियां हो सकती हैं? इसे बैलेंस्ड मील कैसे बनाएं? इंस्टेंट नूडल्स में क्या होता है? भारत में मिलने वाले ज्यादातर नूडल्स मैदा से बने होते हैं। कुछ पैकेट में इसके साथ सूखी सब्जियां या तला हुआ लहसुन भी होता है। ज्यादातर नूडल्स में बहुत सारा नमक होता है। एक सर्विंग में 600 से 1500एमजी सोडियम हो सकता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन अच्छे स्वस्थ के लिए रोज 2000एमजी से कम नमक खाने की सलाह देता है। इसलिए एक सर्विंग में ये मात्रा बहुत ज्यादा है। इसमें फाइबर बहुत कम यानी न के बराबर होता है। फाइबर पाचन के लिए जरूरी है।डॉ. अनु कहती हैं कि इंस्टेंट नूडल्स सुविधाजनक हैं, लेकिन पोषक तत्व नहीं होते हैं। ये स्लो पॉइजन की तरह काम करते हैं अगर रोज खाए जाएं।कभी-कभी खाना भी फायदेमंद तो नहीं पर स्वाद के लिए चल सकता है, लेकिन रोज खाने से

समस्या हो सकती है। हफ्ते में दो बार से ज्यादा खाने से महिलाओं में मेटाबॉलिक सिंड्रोम का खतरा बढ़ जाता है। मेटाबॉलिक सिंड्रोम से हार्ट डिजीज, डायबिटीज और दूसरी बीमारियां होती हैं। इसकी वजह, इन्हें बनाने में इस्तेमाल होने वाली चीजें हैं। नूडल्स में मौजूद ढेर सारे सोडियम से ब्लड प्रेशर बढ़ता है, जो हार्ट और किडनी पर दबाव डालता है। भारत में पहले से नमक ज्यादा खाया जाता है, और प्रोसेस्ड फूड इसका बड़ा कारण है। कम फाइबर से कब्ज, आंतों की समस्या और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा। पोषक तत्वों की कमी से शरीर कमजोर होता है, इम्यूनिटी घटती है। वेट गेन भी बड़ी मुश्किल है। ये हाई कैलोरी फूड में आते हैं लेकिन पेट ज्यादा देर नहीं भरते हैं। रिफाइंड कार्ब्स से ब्लड शुगर तेज बढ़ता है, जिससे इंसुलिन रेजिस्टेंस और मोटापा। पाचन बिगड़ता है क्योंकि फाइबर कम, ऐडिटिव्स से ब्लोटिंग या इंडाइजेशन। कुछ स्टडीज में एमएसजी और प्रिजर्वेटिव्स से कैंसर का खतरा भी बताया गया है। हाल की आईसीएमआर स्टडी में कहा गया कि ऐसे प्रोसेस्ड फूड्स से डिप्रेशन, एंग्जाइटी जैसी मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स बढ़ सकती हैं।नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, कोरियन कॉलेज स्टूडेंट्स में हफ्ते में 3 बार से ज्यादा नूडल्स खाने से डिस्लिपिडेमिया का खतरा 2.6 गुना बढ़ जाता है। इस कंडीशन में ब्लड में ट्राईग्लिसराइड बढ़ जाते हैं। डॉ. अनु अग्रवाल कहती हैं कि एमएसजी से वजन बढ़ना, ब्लड प्रेशर और ब्रेन पर बुरा असर होता है। जनवरी 2025 की रिपोर्ट में सर्दियों में रेमन नूडल्स पर बात हुई, जहां कहा गया कि एमएसजी,टीबीएचक्यू और सोडियम से हार्ट और पेट की बीमारियां बढ़ती हैं। उत्तर प्रदेश में 2024 में एक 7 साल के बच्चे की मौत नूडल्स से जुड़ी बताई गई, जो सदमा देने वाली है। लेकिन इससे पता चलता है कि ज्यादा खाना कितना खतरनाक है। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि इंस्टेंट नूडल्स में रिफाइंड कार्ब्स से ब्लड शुगर स्पाइक होता है, जो डायबिटीज का खतरा बढ़ाता है। सैचुरेटेड फैट से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जो धमनियों को ब्लॉक करता है। कम न्यूट्रिएंट्स से कैल्शियम, आयरन, विटामिन सी की कमी हो सकती है। लंबे समय में ये इम्यूनिटी कमजोर करती है और बीमारियां आमंत्रित करती हैं। इंस्टेंट नूडल्स को हेल्दी कैसे बनाएं- अगर आप इन्हें पसंद करते हैं तो पूरी तरह छोड़ना जरूरी नहीं। कुछ आसान बदलाव से इन्हें बेहतर बना सकते हैं। सब्जियां मिलाएं- फ्रोजन मटर, पालक, ब्रोकली या गाजर डालें। इससे फाइबर और विटामिन बढ़ेंगे। प्रोटीन ऐड करें- उबला अंडा, टोफू, बीन्स या चिकन। इससे पेट ज्यादा देर भरा रहेगा। फ्लेवर पैकेट कम इस्तेमाल करें। ये नमक का मुख्य स्रोत है। आधा पैकेट यूज करें या लो-सोडियम स्टॉक, लहसुन, अदरक, हर्ब्स या मिर्च मिलाएं। होलग्रेन नूडल्स ट्राई करें- कुछ ब्रांड्स में बकवीट, ब्राउन राइस या मिलेट से बने होते हैं, जो फाइबर ज्यादा देते हैं।

साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज रासी डुसेन ने संन्यास लिया,7 महीने से टीम से बाहर थे बोर्ड ने कॉन्ट्रैक्टरिन्यू नहीं किया

नयी दिल्ली। साउथ अफ्रीका के दिग्गज मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज रासी वैन डर डुसेन ने अंतरराष्ट्रीय

क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने साल 2026-27 के सीजन के लिए उनके सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को रिन्यू नहीं किया गया था, जिसके बाद 37 साल के खिलाड़ी ने यह फैसला लिया। डुसेन पिछले 7 महीनों से नेशनल टीम का हिस्सा नहीं थे और उन्होंने अपना आखिरी मैच अगस्त 2025 में खेला था। उन्होंने गुरुवार सुबह इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके यह जानकारी दी। घरेलू टीम लायंस के लिए वे खेलते रहेंगे, फ्रैंचाइजी क्रिकेट में भी हिस्सा लेंगे। डुसेन ने लिखा,'भारी मन के साथ मैं इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। प्रोटियाज की जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।' वनडे में डिविलियर्स के बाद सबसे शानदार औसत रासी वैन डर डुसेन का वनडे करियर बेहद प्रभावी रहा। उन्होंने 71 वनडे मैचों में करीब 52 की औसत से रन बनाए, जो साउथ अफ्रीका के इतिहास में महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ औसत है। उन्होंने अपने करियर में 6 शतक और 17 अर्धशतक जड़े। खास बात यह रही कि 2019 में अपने डेब्यू के बाद शुरुआती 9 मैचों में ही उन्होंने 5 फिफ्टी लगाकर अपनी जगह पक्की कर ली थी। डिविलियर्स की वापसी पर खुलकर रखी थी राय 2019 वर्ल्ड कप के दौरान जब एबी डिविलियर्स ने संन्यास से वापसी की पेशकश की थी, तब डुसेन ने इस मुद्दे पर बेबाकी से अपनी बात रखी थी। उन्होंने स्वीकार किया था कि अगर डिविलियर्स वापस आते, तो इसका सीधा असर उनके चयन पर पड़ता। उस खराब वर्ल्ड कप अभियान में भी डुसेन साउथ अफ्रीका के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। इसके बाद 2023 वर्ल्ड कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भी वे टीम के टॉप स्कोरर में शामिल रहे। टेस्ट में नहीं लगा सके एक भी शतक जहां व्हाइट बॉल क्रिकेट (वनडे और टी-20) में डुसेन का दबदबा रहा, वहीं टेस्ट क्रिकेट में उनकी कहानी कुछ अधूरी सी रही। उन्होंने 18 टेस्ट मैचों में 6 अर्धशतक लगाए और एक बार 98 रन पर आउट होकर शतक से चूक गए। 2021-22 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्हें टेस्ट टीम से ड्रॉप कर दिया गया था और उसके बाद उन्होंने कोई फर्स्ट क्लास मैच भी नहीं खेला। अब मेंटर की भूमिका में नजर आएंगे डुसेन संन्यास के बाद डुसेन अपनी घरेलू टीम 'लायंस' के लिए खेलना जारी रखेंगे और दुनिया भर की टी-20 लीग्स (जैसे एसए20 में एमए केप टाउन) में सक्रिय रहेंगे। उन्होंने कहा कि अब उनका लक्ष्य अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को सिखाना और उन्हें मेंटर करना है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका के डायरेक्टर एनोक नक्वे ने उनकी तारीफ करते हुए कहा,'रासी केवल एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि ड्रेसिंग रूम की एक मजबूत आवाज थे जिन्होंने टीम कल्चर को बेहतर बनाने में मदद की।'

ग्रीन-रघुवंशी के रनआउट से कोलकाता हारा,रहाणे का 200वां आईपीएल मैच-केकेआर एसआरएच मैच के मोमेंट्स-रिकॉर्ड्स

कोलकाता। आईपीएल में गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 65 रन से हरा दिया। ईडन गार्डन्स में

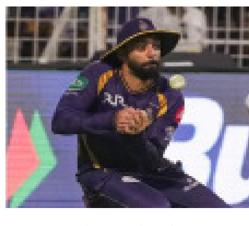

कोलकाता की हार की बड़ी वजह दो अहम रनआउट रहे। पहले कैमरन ग्रीन और फिर अंगकृष रघुवंशी रनआउट हुए। हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा ने 100 आईपीएल सिक्स पूरे किए। 1. रहाणे 200वां आईपीएल मैच खेलने उतरे-कोलकाता के कप्तान अजिंक्य रहाणे अपना 200वां आईपीएल मैच खेलने उतरे। वे ऐसा करने वाले 11वें प्लेयर बने। उनसे पहले एमएस धोनी, रोहित शर्मा, विराट कोहली और शिखर धवन जैसे भारतीय दिग्गज भी मैचों की डबल सेंचुरी पूरी कर चुके हैं। 2. अभिषेक के हैदराबाद के लिए 100 सिक्स पूरे-सनराइजर्स हैदराबाद के लिए डेविड वॉर्नर ने सबसे ज्यादा 143 सिक्स लगाए हैं। अभिषेक शर्मा 101 सिक्स के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा हेनरिक क्लासन के नाम 89, केन विलियमसन के 64 और ट्रेविस हेड के 50 सिक्स दर्ज हैं। 3. रिंकू कोलकाता के लिए सबसे ज्यादा फील्ड कैच लेने वाले प्लेयर-कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए रिंकू सिंह 41 कैच के साथ सबसे ज्यादा फील्ड कैच लेने वाले खिलाड़ी बन गए। उनके बाद आंद्रे रसेल 40 कैच के साथ दूसरे, सुनील नरेन 36 कैच के साथ तीसरे और मनोज तिवारी 30 कैच के साथ चौथे स्थान पर हैं। 4. एलन ने पहले ओवर में 24 रन बनाए-फिन एलन ने पहले ओवर में 24 रन बनाए। वे आईपीएल की किसी पारी के पहले ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पृथ्वी शॉ के साथ दूसरे स्थान पर हैं। पहले ओवर में सबसे ज्यादा रन 26 हैं, जो यशस्वी जायसवाल ने बनाए थे। यहां से मैच के टॉप-7 मोमेंट्सष्ठ1. शिवांग कुमार का डेब्यू- हैदराबाद ने मध्य प्रदेश से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले लेफ्ट आर्म चाइनामैन स्पिनर शिवांग कुमार को डेब्यू कैप सौंपी। 2. हेड का कैच रहाणे से छूटा-चौथे ओवर में कोलकाता के कप्तान अजिंक्य रहाणे से ट्रैविस हेड का कैच छूट गया। ओवर की पांचवीं बॉल सुनील नरेन ने गुड लेंथ पर ऑफ स्पिन फेंकी। हेड आगे निकलकर बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद हवा में खड़ी हो गई। रहाणे पीछे की ओर दौड़कर गेंद के नीचे आए, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके। 3. वरुण के डाइविंग कैच से अभिषेक आउट-8.4 ओवर में अभिषेक शर्मा आउट हो गए। ब्लेसिंग मुजरबानी ने 112 किमी/घंटा की धीमी शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद फेंकी। अभिषेक शर्मा ने पुल शॉट खेला। बॉल डीप स्क्वेयर लेग की ओर गई। बाउंड्री पर मौजूद वरुण चक्रवर्ती तेजी से अपने दाईं ओर भागे। नीचे झुककर शानदार डाइव लगाई और कैच लपक लिया। अभिषेक अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर सके और 21 गेंदों पर 48 रन बनाकर आउट हुए। 4. वैभव अरोड़ा को 2 गेंद पर 2 विकेट-19वें ओवर में वैभव अरोड़ा ने 2 विकेट झटक लिए। उन्होंने पहली गेंद पर नीतीश रेड्डी को वरुण चक्रवर्ती के हाथों कैच कराया। रेड्डी ने 39 रन बनाए। अगली ही गेंद पर वैभव ने सलिल अरोड़ा को भी बोल्ड कर दिया। 5. क्लासन ने रिवर्स शॉट पर सिक्स लगाया-17.2 ओवर में हेनरिक क्लासन ने रिवर्स स्कूप पर सिक्स लगा दिया। कार्तिक त्यागी ने फुल लेंथ की गेंद डाली। क्लासन ने थर्ड मैन के ऊपर से सिक्स लगा दिया।

क्या अल्जाइमर अनुवांशिक होता हैं ?क्या मुझे और मेरे बेटे को भी हो जाएगा

नयी दिल्ली। अल्जाइमर में एक पेशेंट के सवाल जवाब एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके।

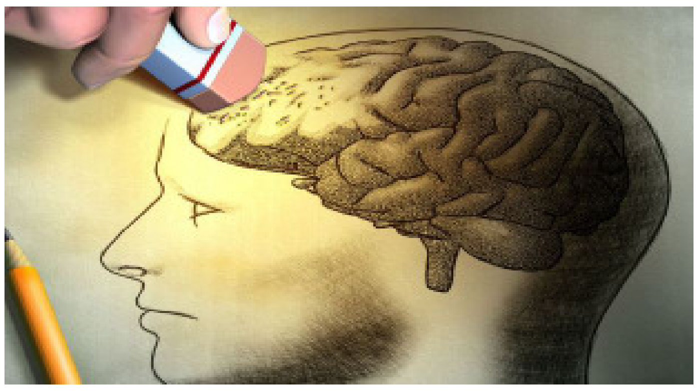

यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर। विशेषयज्ञ से सवाल- मेरा सवाल थोड़ा अजीब लग सकता है क्योंकि मेरे साथ अभी ऐसा कोई गंभीर मेंटल हेल्थ इशु नहीं है। मेरे दादाजी को एक्यूट अल्जाइमर था। अपने जीवन के आखिरी दस सालों में वो सबकुछ भूल गए थे। घर में किसी को भी नहीं पहचानते थे। अपने बच्चों को भी नहीं। ऐसी हालत में उन्हें संभालना काफी चैलेंजिंग होता था क्योंकि वो कभी भी घर से निकल जाते और उन्हें घर का रास्ता भी याद नहीं रहता था। हमें हर वक्त उनके गले में घर का एड्रेस और फोन नंबर लिखी हुई

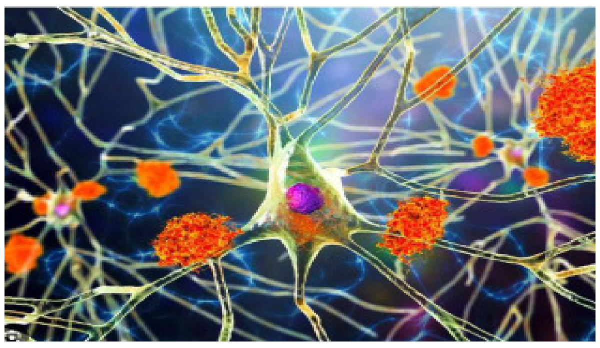

चिट टांगकर रखनी पड़ती थी। उनकी डेथ को 8 साल हो चुके हैं। पिछले कुछ समय से मेरे पापा में भी अल्जाइमर के लक्षण दिखने शुरू हो गए हैं। वो छोटी-छोटी चीजें भूल जाते हैं। डॉक्टर का कहना है कि ये अल्जाइमर की शुरुआत है। मेरी उम्र अभी 36 साल है। तीन साल पहले मेरी शादी हुई थी और मेरा 1 साल का एक बेटा है। मेरी चिंता ये है कि अगर ये अल्जाइमर जेनेटिक है और मेरी फैमिली में ही रन कर रहा है तो एक-न-एक दिन मुझे भी अल्जाइमर हो जाएगा और मेरे बेटे को भी। इस बात ने मुझे चिंतित कर दिया है। क्या कोई ऐसा तरीका है, जिससे अल्जाइमर को होने से रोका जा सके। क्या मैं अभी से कुछ सावधानियां बरत सकता हूं, कुछ ऐसे काम कर सकता हूं, जिससे मुझे ये मेंटल हेल्थ कंडीशन कभी न हो।जवाब- आपका सवाल बिलकुल भी अजीब नहीं है, बल्कि यह बहुत जिम्मेदारी और समझदारी से पूछा गया सवाल है। आप न सिर्फ अपने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सजग हैं, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ी के भविष्य के लिए भी सोच रहे हैं। यह काबिल-ए-तारीफ है। एक सीनियर साइकेट्रिस्ट के रूप में मैं आपकी चिंता को गंभीरता से समझता हूं। नीचे मैं आपके लिए एक समग्र व साक्ष्य पर आधारित सेल्फ एसेसमेंट और सेल्फ हेल्प प्लान दे रहा हूं।दादा और अब पिता, दोनों में अल्जाइमर के लक्षण। ऐसे में जोखिम सामान्य आबादी की तुलना में 1.5-3 गुना अधिक होता है। यदि माता-पिता, दोनों में अल्जामइर्स हो तो यह जोखिम 5 गुना तक भी हो सकता है। हालांकि फैमिली हिस्ट्री सिर्फ एक रिस्क फैक्टर है। रिस्क फैक्टर होने का मतलब यह नहीं कि आपको यह बीमारी जरूर होगी।अपनी लाइफस्टाइल को बदलकर इस जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।आपकी उम्र अभी सिर्फ 36 साल है। यह प्राइमरी प्रिवेंशन का बहुत सही समय है।आपके सवाल को देखते हुए आपकी मौजूदा चिंता को कुछ इस तरह डिफाइन किया जा सकता है। बार-बार यह सोचना कि मैं भविष्य में सबकुछ भूल जाऊंगा। अपने बेटे की परवरिश को लेकर डर सताना। हर बार कोई मामूली सी बात भूल जाने को भी संभवतः 'अल्जाइमर का लक्षण' समझ लेना। इस फिक्र के कारण बेचैनी, अनिद्रा, चिड़चिड़ापन, मानसिक थकान महसूस होना।आप जिस समस्या से गुजर रहे हैं, उसकी इंटेंसिटी कितनी है, यह जानने के लिए आपको नीचे दिया गया सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट करना चाहिए। सेल्फ हेल्प काफी होगी या आपको प्रोफेशनल मदद की जरूरत है। स्कोर का इंटरप्रिटेशन भी नीचे ग्राफिक में दिया है। सवालों को ध्यान से पढ़ें और अपना एसेसमेंट करें। मनोविज्ञान में मानसिक समस्याओं का हल करने के लिए प्रायः सीबीटी टेक्नीक का प्रयोग किया जाता है, जिसका अर्थ है कॉग्निटिव बिहेवियर टेक्नीक। आप खुद भी ये कर सकते हैं या जरूरत पड़ने पर एक्सपर्ट की मदद भी ले सकते हैं। इसे करने का मकसद सचेत तरीके से अपने सोचने के तरीके को बदलना है। यह समझना कि हमें जिस बात का डर सता रहा है, वो डर वाजिब है भी या नहीं। लगातार प्रैक्टिस और पॉजिटिव हस्तक्षेप से अपने सोचने के तरीके में बड़े सार्थक बदलाव किए जा सकते हैं। इसका एक उदाहरण नीचे ग्राफिक में दिया है। फिलहाल जो भी ख्याल आपको डराते हैं, आप खुद को उसका पॉजिटिव जवाब कैसे दें।अनेकों साइंस रिसर्च और स्टडी से यह साबित हो चुका है कि अल्जाइमर का फूड हैबिट्स और लाइफ स्टाइल से बिल्कुल सीधा संबंध है। इसलिए मैं आपको तीन प्रमुख सुझाव देना चाहूंगा- फूडः अपने भोजन को लेकर बहुत सचेत रहें। अच्छा, हेल्दी, फाइबरयुक्त खाना खाएं। टॉक्सिनः सिगरेट-शराब से दूरी बनाकर रखें। स्लीपः रोज 8 घंटे की नींद जरूर लें और तनाव से दूर रहें। वर्कआउटः रेगुलर एक्सरसाइज करें।14 यूनिट/सप्ताह से ज्यादा शराब लेने पर ब्रेन के ग्रे मैटर वॉल्यूम में कमी देखी गई है। नियमित शराब के सेवन से वर्किंग मेमोरी, फंक्शनल मेमारी पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। शराब पीने से स्लीप क्वालिटी खराब होती है, न्यूरोरेस्टोरेशन घटता है। यदि आप डिमेंशिया से बचना चाहते हैं तो शराब से दूर रहना बहुत जरूरी है।ब्रह्मरी प्राणायामः यह चिंता को कम करता है और एकाग्रता को बढ़ाता है। नाड़ी शोधन प्राणायामः इससे फोकस बढ़ता है। त्राटक : इससे विजुअल फोकस बढ़ता है और ब्रेन एक्टिवेशन होता है। वङ्कासन व ध्यानः इससे डाइजेशन अच्छा रहता है। ब्रेन का फ्रंटल लोब बेहतर काम करता है।

कोविड के बाद बढ़ रहे हेपेटाइटिस केसेजःइसके लक्षणों को लेकर रहें सचेत

नयी दिल्ली। केरल में हेपेटाइटिस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। केरल का त्रिशूर जिला इसके संक्रमण का केंद्र बन गया है, जहां मामले इतनी तेजी से बढ़ रहे हैं कि स्थानीय लोग घबरा रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने आपातकालीन चेतावनी जारी की है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। इस साल अप्रैल के अंत तक केरल में हेपेटाइटिस के 3,227 मामले सामने आए हैं और 16 मौतें हो चुकी हैं। इसमें एर्नाकुलम, मलप्पुरम और कोझिकोड सबसे ज्यादा प्रभावित जिले रहे हैं। अब त्रिशूर संक्रमण का नया केंद्र बन गया है। पिछले साल केरल में हेपेटाइटिस-ए के 7,943 मामले दर्ज हुए थे और 81 लोगों की मौत हुई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, किसी संक्रमण से होने वाली मौतों के लिए ट्यूबरकुलोसिस के बाद हेपेटाइटिस दूसरी सबसे बड़ी वजह है। इससे हर साल लगभग 13 लाख लोगों की मौत होती है। इसका मतलब है कि हेपेटाइटिस से दुनिया में हर दिन लगभग 3500 लोगों की मौत होती है। केरल में अचानक तेजी से बढ़ रहे मामले चिंता का विषय बन गए हैं।हेपेटाइटिस लिवर में होने वाला इंफ्लेमेशन है, जो वायरस, टॉक्सिन्स या ऑटोइम्यून बीमारियों के कारण होता है। इंफ्लेमेशन हमारे शरीर का इंफेक्शन या इंजरी के प्रति रिस्पॉन्स है। यह एक गंभीर कंडीशन है, जिससे लिवर को काफी नुकसान हो सकता है।आमतौर पर हेपेटाइटिस 2 तरह का होता है- एक्यूटः यह अल्पकालिक होता है, जो लगभग 6 महीने में ठीक हो सकता है। 2. क्रॉनिकः यह लंबे समय तक बना रहता है।इसके अलावा इसे 5 और तरह से बांटा जाता है, हेपेटाइटिस ए, बी,सी,डी, और ई। हेपेटाइटिस के कारण शुरुआत में थकान, पेट के दाहिनी ओर दर्द, भूख न लगना, दस्त और हल्के बुखार जैसे लक्षण दिख सकते हैं। क्रॉनिक हेपेटाइटिस में लक्षण गंभीर हो सकते हैं।हेपेटाइटिस अलग-अलग तरीकों से फैलता है। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन या गंदे पानी के कारण फैल सकता है। जबकि, हेपेटाइटिस बी और सी खून के संपर्क से जैसे नीडल शेयर करने से, अनसेफ सेक्स से या जन्म के दौरान मां से बच्चे में फैल सकता है। हेपेटाइटिस डी तब होता है, जब किसी को पहले से हेपेटाइटिस बी है, क्योंकि इसे बी वायरस की जरूरत होती है। गर्मी और बरसात में हेपेटाइटिस ए और ई के मामले इसलिए बढ़ जाते हैं, क्योंकि गर्मियों में साफ पीने के पानी की समस्या हो जाती है। खाना जल्दी खराब हो जाता है। असल में गर्म मौसम में बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं, खासकर गंदगी वाले स्ट्रीट फूड या दूषित पानी में ये और तेजी से पनप सकते हैं। पानी की कमी या खराब जल आपूर्ति से भी संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए गर्मियों में साफ पानी पीना और स्वच्छ भोजन करना बहुत जरूरी है।सभी तरह के हेपेटाइटिस खतरनाक नहीं होते हैं, जबकि कुछ गंभीर हो सकते हैं। हेपेटाइटिस ए आमतौर पर हल्का होता है और अक्सर सामान्य इलाज से ही ठीक हो जाता है। हेपेटाइटिस बी और सी क्रॉनिक हो सकते हैं, जिससे सिरोसिस, लिवर कैंसर या लिवर फेल्योर का खतरा हो सकता है। हेपेटाइटिस डी और ई भी गंभीर हो सकते हैं, खासतौर पर जिन लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर है। टॉक्सिक और ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस भी लिवर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सही समय पर इलाज और देखभाल से जोखिम कम किया जा सकता है। हां, हेपेटाइटिस का इलाज संभव है, लेकिन यह हेपेटाइटिस के प्रकार पर निर्भर करता है। हेपेटाइटिस ए का इलाज आसानाी से हो सकता है। हेपेटाइटिस सी को डायरेक्ट-एक्टिंग एंटीवायरल दवाओं से पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। हेपेटाइटिस बी का क्रॉनिक रूप पूरी तरह ठीक नहीं होता है, लेकिन एंटीवायरल दवाओं से इसे काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। अगर टॉक्सिक हेपेटाइटिस है तो इलाज के साथ शराब या टॉक्सिन्स से बचना जरूरी है। इनके गंभीर मामलों में लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ सकती है।हां, हेपेटाइटिस ए और बी से बचाव के लिए प्रभावी वैक्सीन उपलब्ध हैं। ये वैक्सीन बच्चों और वयस्कों को दी जा सकती हैं। इसकी वैक्सीन उन लोगों को जरूर लगवानी चाहिए, जिन्हें इसका जोखिम ज्यादा रहता है, जैसे कोई स्वास्थ्यकर्मी है। हेपेटाइटिस सी ,डी , और ई के लिए अभी तक कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। वैक्सीनेशन के साथ-साथ स्वच्छता का ध्यान रखना बेहद जरूरी है, जैसे साफ पानी पीना और सेफ सेक्स का ध्यान रखें। अपने डॉक्टर से कंसल्ट करके वैक्सीनेशन शेड्यूल कर सकते हैं और जरूरतों के बारे में जानकारी ले सकते हैं, ताकि आप सुरक्षित रहें। कुछ तरह के हेपेटाइटिस संक्रामक होते हैं। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन या पानी से फैल सकते हैं। हेपेटाइटिस बी और सी खून, अनसेफ सेक्स या शेयर्ड नीडल के जरिए फैलते हैं। हेपेटाइटिस बी जन्म के दौरान मां से बच्चे में भी जा सकता है।अगर हेपेटाइटिस बहुत लंबे समय तक बना रहे या संक्रमण बहुत गंभीर हो जाए तो यह कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैंः सिरोसिस- यह लिवर में होने वाला घाव या स्कार होता है। अगर लिवर में बार-बार डैमेज हो रहा है और खुद इसे रीजनरेट करके ठीक करने की कोशिश करता है, तो उसमें निशान यानी घाव बन जाते हैं। यह एक गंभीर लिवर प्रॉब्लम है। लिवर कैंसर- हैपेटाइटिस बी और सी वायरस से होने वाली सिरोसिस से लिवर कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। यह लिवर कैंसर का सबसे कॉमन प्रकार है। लगभग आधे केस इन्हीं वायरस के कारण होते हैं।लिवर फेल्योर- जब लिवर पूरी तरह काम करना बंद कर देता है तो उसे लिवर फेल्योर कहते हैं। अगर वायरल हेपेटाइटिस तेजी से लिवर को नुकसान पहुंचा रहा है, तो यह कभी यह अचानक से फेल हो सकता है। लंबे समय तक सिरोसिस रहने से भी ऐसा हो सकता है। पोर्टल हाईपरटेंशन- जब सिरोसिस के कारण लिवर में ब्लड सप्लाई करने वाली मुख्य नसों में रुकावट आ जाती है तो खून का दबाव बढ़ जाता है। इसे पोर्टल हाईपरटेंशन कहते हैं।

आप किसी आइडिया को अच्छा या बुरा नहीं बता सकते

पिछले सप्ताहांत, प्योर लीफ नामक एक चाय कंपनी ने न्यूयॉर्क के एक व्यस्त चौराहे पर न्यूयॉर्कवासियों को मुफ्त आइस्ड टी दी। इसे एक व्यस्त चौराहे के बीच रखा गया, जहां लोग वॉक करते हैं और आसपास की नर्म हरी घास में आराम करते हैं।उन्होंने वहां कुछ बड़े छाते लगाए और उनके नीचे सोफा लगा दिए। इस प्रकार गर्मी में कुछ मिनट बैठने के लिए छायादार जगह बन गई। वहीं उन्होंने अपनी वेंडिंग मशीन लगा दी, जो मुफ्त आइस्ड टी पेश कर रही थी। उस क्षेत्र में टहल रहे लोग पहले मुफ्त चाय लेने के लिए बटन दबाने की कोशिश करते। लेकिन इंटरेक्टिव मशीन मना कर देती। मशीन बार-बार कहती कि 'अपना फोन मशीन के बाईं ओर लगे चार्जिंग पैड पर रखें।' लोग बेमन से फोन चार्ज होने के लिए उस पैड पर रख देते। फिर मशीन कहती, 'टी ब्रेक शुरू करने के लिए यहां दबाएं।' विस्मयकारी तरीके से जैसे ही लोग उन शब्दों को दबाते, चार्जिंग पैड का लोहे का दरवाजा तुरंत लॉक हो जाता। फोन भी इसमें अंदर बंद हो जाता। लोग जोर लगा कर दरवाजा खोलने की कोशिश करते, लेकिन असफल रहते। वो चारों ओर देखते कि कुछ लोग चाय की बोतल से चुस्कियां लगाते हुए उनकी ओर मुस्करा रहे हैं। और उसी वक्त मशीन आइस्ड टी की एक बोतल बाहर निकाल देती। लोग

बिना इच्छा के बोतल लेते और इस चिंता के साथ सोफे पर बैठ जाते कि उनका फोन कब वापस मिलेगा? जैसे ही एक मिनट बीतता, नौ मिनट पहले अपना फोन चा?र्जिंग पैड पर रखने वाला कोई दूसरा व्यक्ति मशीन के सामने खड़ा होता और दसवें मिनट पर मशीन खुल जाती। उसका फोन वापस दे देती। व्यक्ति कहता 'वाह, क्या टी ब्रेक था'। आइस्ड टी पीने वाले 78फीसदी लोगों ने सप्ताह के अंतिम दिन फोन से दस मिनट का ब्रेक लेने के बाद बेहतर महसूस किया। और ब्रांड ने इस बात को समझाया कि गैजेट्स से दस मिनट का ब्रेक भी आपको तरोताजा कर सकता है। यह न्यूयॉर्क में हाल ही किया गया एक मार्केटिंग कैम्पेन था, जिसमें वेंडिंग मशीनों का उपयोग करके लोगों को 'वायर्ड' (तकनीकी की) दुनिया से छोटा-सा ब्रेक लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कैम्पेन के संदेश से मेल खाता है कि आराम करने और रिफ्रेश होने के लिए समय निकालना फायदेमंद है। अंततः इस ब्रांड प्रमोशन में इस बात पर जोर दिया गया कि छोटे-से ब्रेक का भी तंदुरुस्ती पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मुझे यह उपाय बेहद कारगर लगा। इसे मैंने अपने कुछ दोस्तों से साझा किया, जो हैदराबाद में ऑफलाइन रीडिंग क्लब चला रहे हैं, ताकि डिजिटल एडिक्ट बच्चों को 'डूम स्क्रॉलिंग' से बचाया जा सके। इसे 'डूम सर्फिंग' भी कहते हैं और यह ऑनलाइन बहुत अधिक समय बिताने से संबंधित है। इस प्रक्रिया में न्यूज फीड और सोशल मीडिया पर लगातार स्क्रॉल किया जाता है। मेरे दोस्त पहले पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना चाहते थे। और वे कुछ लोगों को ऑनलाइन पुस्तकें पढ़ाने में सफल भी रहे। लेकिन पढ़ने के बजाय वो बातचीत करने लग जाते थे। इसलिए फिर वे ऑफलाइन मोड पर आ गए। पिछले सितंबर से वे सभी सदस्य हर रविवार की सुबह एक पार्क में एकत्रित होते हैं। चिड़ियों की चहचहाहट के बीच व्यक्तिगत अध्ययन सत्र उन्हें नई जानकारियों और विचार-प्रक्रिया के साथ अगले सप्ताह के लिए तरोताजा कर देता है। ऐसे क्लब लोगों को कम से कम पढ़ने की आदत तो बनाए हुए है और उनकी स्क्रीन देखने की आदत कम कर रहे हैं। ध्यान रखें कि हममें से अधिकतर किसी पुस्तक को केवल सरसरी नजर से देखकर दराज में रख देते हैं। हम उसकी विषयवस्तु को भी भूल जाते हैं। ऐसे में सभी सदस्यों द्वारा एक पुस्तक पढ़ने और हर रविवार उसके विचारों को साझा करने से क्लब सदस्यों को कम से कम 52 पुस्तकों के शीर्षक और उनकी विषयवस्तु तो याद रहेगी। फंडा यह है कि किसी समस्या के समाधान के लिए आए उपाय को कभी भी अच्छे या बुरे में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। इसे सिर्फ ऐसे बांटा सकता है कि यह लागू करने योग्य है अथवा नहीं है। इसलिए हर साधारण से आइडिया पर भी प्रसन्न हों, उसका स्वागत करें।

एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट नहीं... जब तक है जान, होंगे इम्तेहान

मेरी डॉगी माया कुछ दिनों से बीमार थी। खाने से मुंह फेर रही थी। कभी खा भी लेती तो एक घंटे बाद उल्टी। जब दो-तीन दिन वो एक कोने में बेजान-सी पड़ी रही तो मैंने सोचा, डॉक्टर को दिखाना चाहिए। गाड़ी में बिठाकर मैं उसे अपने घर के पास वाले जानवरों के अस्पताल में ले गई। आपको जानकर हैरानी होगी, मुम्बई के महालक्ष्मी में स्थित स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल कोई मनुष्यों के 5 स्टार हॉस्पिटल से कम नहीं। वैसे ये नगर पालिका की जमीन है मगर भव्य बिल्डिंग बनाई है टाटा ट्रस्ट ने। मैनेजमेंट भी उन्हीं का है। हर चीज का स्टैंडर्ड ऊंचा। खैर हमारी माया देवी को इस बात से कोई लेना-देना नहीं। जैसे ही हम कंपाउंड में घुसे, वो भांप गई, ये 'वो' जगह है। अब तो भाई, वो गाड़ी से उतरने को तैयार ही नहीं। तीन स्टाफ आए, मगर बहला-फुसलाकर भी हम उसे बाहर नहीं निकाल पाए। आखिर हार कर मैं वापस घर आ गई। माया के इस व्यवहार के पीछे वजह क्या थी? दस दिन पहले हम उसे इसी अस्पताल में लाए थे, सालाना वैक्सीनेशन के लिए। अब उसके अंदर डर बैठ गया था कि यहां पर इंजेक्शन लगता है। ना बाबा ना, मैं अंदर जाने वाली नहीं। कोई जबर्दस्ती करेगा तो मैं उसे काट लूंगी। भगवान ने हर प्राणी की प्रोग्रामिंग जब की, उसमें एक फीचर डाल दिया। अगर दिमाग मान ले कि फलाना डेंजर जोन है, तो अंदर से आवाज उठती है- भागो! जंगल में इस आवाज का फायदा है, क्योंकि शायद आपकी अंतर्प्रेरणा सही कह रही है। सौ मीटर दूर शेर खड़ा है, आपकी जान खतरे में है। अब हम जंगल में नहीं रहते, हर पेड़ के पीछे खतरा नहीं। लेकिन प्रोग्रामिंग वही है। माया को इंजेक्शन का डर है, यानी कि दर्द से। वैसे जब भी ब्लड टेस्ट होता है, मैं भी आंखें मूंद लेती हूं। सुई का डर मेरे अंदर कब, कैसे और कहां पैदा हुआ, उसके पीछे एक कहानी है। बचपन में हम एक सरकारी डिस्पेंसरी में जाते थे। वहां एक नर्स थीं, सिस्टर जॉर्ज। ब्लड टेस्ट लेने का काम सिस्टर जॉर्ज का था। उन दिनों सुई मोटी होती थी, और उनकी अंगुलियां भी। बंबइया हिन्दी में सिस्टर जॉर्ज का फेवरेट डायलॉग था- 'ऐ, डरने का नहीं...' फिर मेरी पतली-सी बांह उनके ताकतवर हाथों की पकड़ में, और सुई निशाने की ओर। ब्रह्मोस मिसाइल जितनी एक्यूरेसी नहीं थी सिस्टर जॉर्ज की सुई में। एक बार में सही नस नहीं मिलती थी, तो दोबारा सुई चुभातीं। सिस्टर के सांवले चेहरे पर सफेद दांतों वाली मुस्कान और ट्यूब में भरता हुआ लाल खून... यह सीन कुछ ऐसा था कि मुझे वहीं चक्कर आने लगता, एक बार तो मैं बेहोश तक हो गई। तो बस, सिस्टर जॉर्ज की बदौलत मेरे अंदर एक डर-सा बैठ गया। साल बीत गए। एक दिन मजबूरी में जब ब्लड टेस्ट किया तो मुट्ठी-आंखें बंद। मैने टेक्नीशियन को पूछा, कितना टाइम लगेगा? वो हंस के बोला, मैडम हो गया। सुई कब अंदर गई, कब निकली, पता ही नहीं चला। दर्द का पहाड़ सिर्फ मेरे मन में था, और ऐसे कितने ही काल्पनिक पहाड़ हम अपने अंदर बसा लेते हैं।किसी को मैथ्स से डर लगता है, किसी को ऊंचाई से। वो कब, कहां, कैसे आपके अंदर आया, थोड़ा चिंतन कीजिए। हो सकता है किसी टीचर ने डांटा हो, गलत जवाब देने पर। आपके नन्हे-से दिल पर चोट ऐसी पहुंची कि फिर हाथ उठाने की हिम्मत नहीं हुई। बीस साल बीत गए लेकिन आज भी मीटिंग में आप अपनी राय देने से कतराते हैं। क्योंकि मन में आशंका है- मैने कुछ गलत कह दिया तो? डर को जड़ से निकाल फेंकना मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं। सबसे पहले आप एक कागज पर लिख डालिए- ऐसी कौन सी चीज है, जिससे मुझे डर लगता है। 99 प्रतिशत चांस है कि आप लिखेंगे- फियर ऑफ फेल्योर। चलो, एक क्षण के लिए हम मान लें, आपने कोई एग्जाम दिया और फेल हो गए। घर पर लोग नाराज होंगे, दोस्त चर्चा करेंगे। लेकिन एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट फेल नहीं। जब तक हैं जान, होंगे इम्तेहान। डर के आगे जीत है, यही दुनिया की रीत है। ललकारो उसे, सामने लाओ। हिम्मत करो, डर भगाओ। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

आशाओं का अम्बर और मोह के धागे

कहीं एक सोनम ने पति की हत्या करवा दी। कहीं इस भर गर्मी में लोग नहाते हुए डूब गए- सेल्फी लेते हुए, कोई मस्ती करते हुए या एक-दूसरे को बचाते हुए।पीछे छोड़ गए परिजन के लिए दुःखों का पहाड़ या त्रास। यह दुःख देखकर कभी मन पूछता है कि- ये धरती अति सुंदर किताब है। चांद-सूरज की जिल्द वाली।पर हे! ईश्वर, ये दुःख, भूख, सहम और गुलामी, ये सब तेरी इबारत हैं या प्रूफ की गलतियां? दूसरी तरफ मई और जून की गर्मी में जब कहीं-कहीं भारी बारिश हुई तो सड़कों, गलियों की हकीकत सामने आ गई।और ये हर बार होता है।

हर बारिश में। वर्षों से। कोई सुध नहीं लेता। कोई कुछ करता-धरता नहीं। लोग कह-कहकर थक गए। उनकी अर्जियों को कीड़े चट कर गए, पर वे कभी किसी मंत्री या अफसर या बाबू के टेबल तक नहीं पहुंच सकीं। अमृता प्रीतम ने ठीक ही कहा है कि हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हैं।सड़कें बेतुकी दलीलों की तरह। ष्ठऔर गलियां इस तरह, जैसे कोई एक बात को इधर घसीटे। कोई उधर। इस सब के बीच हर मकान किसी मुट्ठी की तरह भिंचा हुआ लगता है। दीवारें किचकिचाती-सी।और नालियां जैसे मुंह से झाग बहता है! साइकलों, स्कूटरों और कारों के पहिए गालियों की तरह गुजरते हैं और घंटियां, हार्न एक-दूसरे पर झपटते हुए भां-भां करते रहते हैं।रात सिर पटकती हुई आती है और चली जाती है।

पर नींद में भी ये बहस खत्म नहीं होती। इसीलिए, हां इसीलिए हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हो चले हैं।पचास-पचास, सौ-सौ साल हो गए, लेकिन शहरों के हालात जस के तस हैं। कहने को बड़े-बड़े ओवर ब्रिज, पुल-पुलिया बना दिए गए हैं, लेकिन इनके नीचे सब कुछ वैसा ही कचरा फैला पड़ा है, जैसे सुंदर कालीन के नीचे गंदगी होती है।कभी किसी उद्योगपति के कहने पर पुल की दिशा मोड़ दी गई तो कभी किसी नेता की कृपा से बेतुका ढांचा बना दिया गया। किसी पुल पर चढ़ सकते हैं तो उतर नहीं सकते।किसी से उतरना इतना दूभर है कि उस पर कोई चढ़ना ही नहीं चाहता। विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं।सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।

कह सकते हैं कि राजनीति घुप अंधेरे की तरह है।उसका हाल वैसा ही है, जैसे कोई रात काली चील की तरह उड़ते हुए सूरज को ढूंढने निकली हो! जिस तरह रात को कभी सूरज नहीं मिल पाता, उसी तरह राजनीति का लोगों की भलाई से कोई संगम नहीं हो पाता।एक मशहूर लेखक ने लिखा है कि राजनीति दरअसल, एक क्लासिक फिल्म की तरह होती है। इस फिल्म का हीरो बहुमुखी प्रतिभा का धनी होता है और समय-समय पर बदलता रहता है।हीरोइन सत्ता की कुर्सी है, जो हमेशा एक जैसी रहती है। बदलती नहीं। विभिन्न क्षेत्रों, इलाकों और मंडलों के सदस्य इसके एक्स्ट्रा कलाकार होते हैं।इस फिल्म के फाइनेंसर, गरीब, मजदूर और खेतिहर लोग होते हैं। ये फाइनेंस करते नहीं, इनसे करवाया जाता है।या कह सकते हैं कि उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया जाता है। विभिन्न विधान मंडल इस फिल्म की इनडोर शूटिंग के स्थान हैं.और मीडिया आउटडोर शूटिंग का साधन। यह फिल्म किसी ने देखी नहीं है क्योंकि इस पर जगह-जगह सेंसर बोर्ड के एम्बार्गो लगे होते हैं।जहां तक आम आदमी का सवाल है, उसे तो सहसा पता ही नहीं है कि उसकी जिंदगी जाने किसके लिए मोह की पूनी कातती फिर रही है? जबकि मोह के तार में न तो आशाओं के अम्बर को लपेटा जा सकता है. और न ही उम्मीदों के सूरज को बांधा जा सकता है।

चुनाव और उसकी कवायद के सिवा कोई फिक्र नहीं.विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं। सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।

हमारे शहर की 'एनटीई' जल्द ही हमारे जीने का तरीका बदल देगी

पूरी दुनिया में आमतौर पर सिर्फ दिन के वक्त को ध्यान में रखकर शहरों को डिजायन किया गया है। लेकिन जब इन शहरों को बेहतर कुशलता से चलाने के लिए अधिक पैसे की जरूरत पड़ी तो उन्होंने पाया कि शाम 6 बजे से लेकर सुबह के 6 बजे तक के समय में बड़ी मात्रा में धन छिपा है। इसे लोकप्रिय रूप में 'नाइट टाइम इकोनॉमी' (एनटीई) के नाम से जाना जाता है।हालांकि, कई जगहों पर 24 घंटे का शहर थोड़ा बदनाम है, लेकिन कई शहरों ने समझा है कि एनटीई विकास के क्षेत्रों का वास्तविक चालक हो सकता है। कम से कम उन चुनिंदा स्थानों के लिए, जहां स्थानीय लोग और आगंतुक बार-बार आते जाते हैं। न्यूयॉर्क, लंदन और बर्लिन जैसे कई वैश्विक महानगरों ने इस विचार का अनुसरण किया, लेकिन एम्स्टर्डम इस क्षेत्र का अग्रणी है। मैं अचानक इस बारे में बात क्यों कर रहा हूं? दरअसल हैदराबाद जल्द ही 24 घंटे की अर्थव्यवस्था को अपनाने वाला भारत का पहला शहर बनने जा रहा है। राज्य सरकार समग्र एनटीई नीति को अंतिम रूप दे रही है, जिसका उद्देश्य सूर्यास्त के बाद शहर की पूर्ण आर्थिक क्षमता का उपयोग करना है। सरकार रात की समस्त गतिविधियों की देखभाल के लिए समर्पित हैदराबाद नाइट टाइम इकॉनोमी अथॉरिटी (एनटीईए) स्थापित कर रही है। इसमें अग्रणी होने के लिए एम्स्टर्डम ने क्या किया? ये उन पहले शहरों में से है, जिन्होंने एनटीई का आर्थिक-सांस्कृतिक महत्व समझा। ये कई कारणों से सफल हुआ, जिनमें सक्रिय स्थानीय निकाय, समर्पित 'नाइट मेयर' शामिल हैं, जो स्वतंत्र अधिवक्ता की भांति रातभर की गतिविधियों पर नजर रखता है। नीदरलैंड के किसी भी शहर में, खासकर रात्रिकालीन संस्कृति को सम्मिलित करने वाली पहली योजना के नाते एम्स्टर्डम का 'नाइट विजन' एतिहासिक दस्तावेज है। ये रात्रिकालीन संस्कृति से शहर के लगाव, इसकी सामाजिक-आर्थिक बेहतरी के लिए इसके जरूरी होने की मान्यता, दोनों को दिखाता है। नाइट मेयर की भूमिका क्या है? ये शहरी निकाय, रात्रिकालीन व्यवसायों, स्थानीय निवासियों व अन्य हितधारकों के बीच सेतु का कार्य करता है। मेयर व उसका कार्यालय सुरक्षा, शोर, परिवहन, जोनिंग (इलाका) जैसे ?मुद्दों का समाधान करते हुए सुनिश्चित करता है कि रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था व शहर की जरूरतों के बीच संतुलन रहे। सफल एनटीई को टॉयलेट से लेकर परिवहन तक, हर चीज पर विचार करना होता है। एनटीई को गलत ना समझें: एम्स्टर्डम की इनटीई सिर्फ क्लबर्स के लिए ही नहीं है। साधारण क्लब्स तो इसमें तब तक प्रवेश नहीं कर सकते, जब? तक कि वे अन्तरराष्ट्रीय आगंतुकों को किसी सभ्य स्थान पर आकर्षित करने के लिए कुछ अनोखा प्रदान ना करें। ऐसे कड़े कायदों और नियंत्रण के कारण ही एम्स्टर्डम ने एम्स्टेल नदी के किनारे सांस्कृतिक रूपरेखा तैयार की है और एनटीई को सफल बनाया है। हालांकि रात्रिकालीन गतिविधियां मनोरंजन संबंधी तस्वीर पेश करती हैं, यहां तक कि भारतीयों में भी, लेकिन हैदाराबाद की यह पहल मनोरंजन तक ही सीमित नहीं है। इसमें स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन, आईटी सर्विस, खुदरा और पर्यटन जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। नीति तैयार कर रहे जानकार मानते हैं कि यह शहरी अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव की तस्वीर दिखाती है।एनटीई के आर्थिक प्रभावः वर्ल्ड सिटीज कल्चर फोरम के अनुसार एम्स्टर्डम में 500 रात्रिकालीन प्रतिष्ठानों ने 5 हजार रोजगार दिए। 15 लाख विजिटर आए, जिन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था में सालाना 1.25 अरब यूरो का योगदान दिया। लंदन ने 13 लाख रात्रिकालीन रोजगार पैदा किए। वर्तमान में हैदराबाद एनटीई का कारोबार 8500 करोड़ रु. है, जो 2032 तक तीन गुना होकर अनुमानतः 26,011 करोड़ पहुंच सकता है। इससे रोजगार भी बढ़ेंगे। हैदराबाद ने ये शुरू किया है तो इसे मुम्बई, दिल्ली पहुंचने में वक्त नहीं लगेगा। इंदौर, अहमदाबाद जैसे टियर-2 शहर भी हाथ पर हाथ रखकर बैठने वाले नहीं है। फंडा यह है कि हम सभी को इस उभरते हुए विचार में सहभागिता निभानी चाहिए, क्योंकि यह भविष्य में हमारे जीने के तरीके को बदलने जा रहा है।

इस लड़ाई से अमेरिकियों के कौन-से हित पूरे हो रहे हैं?

ईरान मानव इतिहास की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है। हमने कभी भी आक्रामकता, विस्तारवाद, उपनिवेशवाद या वर्चस्व का मार्ग नहीं चुना। यहां तक कि वैश्विक शक्तियों के कब्जे, आक्रमण और निरंतर दबाव झेलने के बाद भी- और अपने कई पड़ोसियों पर सैन्य बढ़त होने के बावजूद- ईरान ने कभी युद्ध की शुरुआत नहीं की। यही कारण है कि ईरान को एक खतरे के रूप में प्रस्तुत करना न तो ऐतिहासिक वास्तविकता के अनुरूप है और न ही वर्तमान के तथ्यों के। ऐसी धारणा शक्तिशाली ताकतों की राजनीतिक और आर्थिक मनमानी का परिणाम है। उन्हें अपने दबावों को उचित ठहराने, सैन्य प्रभुत्व बनाए रखने, अपने हथियार उद्योग को कायम रखने और रणनीतिक बाजारों पर नियंत्रण के लिए एक दुश्मन गढ़ने की आवश्यकता होती है। अमेरिका ने ईरान के चारों ओर अपने सैनिकों, सैन्य ठिकानों और क्षमताओं का सबसे बड़ा जमावड़ा किया है। ऐसी परिस्थितियों का सामना कर रहा कोई भी देश अपनी रक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ करने से परहेज नहीं करेगा। ईरान ने जो किया है- और करता रहा है- वह आत्मरक्षा पर आधारित एक संतुलित प्रतिक्रिया है, न कि किसी भी रूप में युद्ध या आक्रामकता की शुरुआत। ईरान और अमेरिका के संबंध प्रारंभ से शत्रुतापूर्ण नहीं थे। लेकिन निर्णायक मोड़ अमेरिका का वह हस्तक्षेप था, जिसका उद्देश्य

ईरान के अपने संसाधनों के राष्ट्रीयकरण को रोकना था। इसने ईरान की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया और अमेरिकी नीतियों के प्रति ईरानियों में गहरा अविश्वास पैदा किया।यह अविश्वास आगे और गहराया- शाह के शासन के प्रति अमेरिका के समर्थन, 1980 के दशक के थोपे गए युद्ध में सद्दाम हुसैन के प्रति उसके समर्थन, आधुनिक इतिहास के सबसे लंबे और व्यापक प्रतिबंधों को थोपने और अंततः- जब बातचीत चल ही रही थी, तब उसके बीच- दो बार ईरान पर बिना किसी उकसावे के सैन्य आक्रामकता से।फिर भी, ईरान कमजोर नहीं पड़ा। इसके विपरीत, वह कई क्षेत्रों में और सशक्त हुआ है : साक्षरता दर लगभग 30फीसदी (इस्लामी क्रांति से पहले) से बढ़कर आज 90फीसदी से अधिक हो गई है; उच्च शिक्षा का व्यापक विस्तार हुआ है; आधुनिक टेक्नोलॉजी में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है; स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ है; और बुनियादी ढांचे का विकास पहले की तुलना में कहीं अधिक तेजी और पैमाने पर हुआ है। प्रतिबंधों, युद्धों और आक्रामकता के ईरानी जनता के जीवन पर पड़ने वाले विनाशकारी और अमानवीय प्रभावों को कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। सैन्य आक्रामकता की निरंतरता और हालिया बमबारी लोगों के जीवन, दृष्टिकोण और सोच पर गहरा असर डालती है। जब युद्ध जीवन, घरों, शहरों और भविष्य को अपूरणीय क्षति पहुंचाता है, तो लोग इसके लिए जिम्मेदार लोगों के प्रति उदासीन नहीं रह सकते। इस युद्ध से अमेरिकी जनता के किन हितों की पूर्ति हो रही है? क्या ऐसे व्यवहार को उचित ठहराने के लिए ईरान से कोई वास्तविक खतरा मौजूद था? क्या निर्दोष बच्चों की हत्या, कैंसर-उपचार से संबंधित फार्मास्यूटिकल सुविधाओं का विनाश या किसी देश को पाषाण युग में वापस भेजने की शेखी बघारना- इन सबका कोई उद्देश्य है? ईरान ने वार्ताओं का मार्ग अपनाया, समझौते तक पहुंचा और सभी प्रतिबद्धताओं का पालन किया। उस समझौते से हटने, टकराव की ओर बढ़ने और वार्ताओं के बीच आक्रामक कार्रवाइयां करने का निर्णय अमेरिकी सरकार द्वारा लिया गया। ईरान के जरूरी बुनियादी ढांचों पर हमला सीधे ईरानी जनता को निशाना बनाना है। यह न केवल एक युद्ध अपराध की श्रेणी में आता है, बल्कि इसके परिणाम ईरान की सीमाओं से कहीं आगे तक फैलते हैं। क्या यह एक तथ्य नहीं है कि अमेरिका इस आक्रामकता में इजराइल के प्रतिनिधि के रूप में, उसके प्रभाव में शामिल हुआ है? और क्या यह भी सच नहीं है कि इजराइल, ईरान के खतरे का निर्माण करके फिलिस्तीनियों के विरुद्ध अपने कृत्यों से दुनिया का ध्यान हटाना चाहता है? आज दुनिया एक चौराहे पर है। टकराव के मार्ग पर बढ़ते रहना पहले से कहीं अधिक महंगा और बेकार है। टकराव और सहभागिता के बीच क्या चुनें, इसका निर्णय आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को आकार देगा। क्या यह तथ्य नहीं है कि अमेरिका इस युद्ध में इजराइल के प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुआ है? क्या यह भी सच नहीं है कि इजराइल ऐसा करके फिलिस्तीनियों के विरुद्ध अपने कृत्यों से दुनिया का ध्यान हटाना चाहता है?(मसूद पेजेश्कियान)

पहाड़ी और जम्मू-कश्मीर में एवलांच की आशंका,एमपी -राजस्थान और हरियाणा में बारिश, 9 राज्यों में अलर्ट

नयी दिल्ली। देश के कई राज्यों में अगले तीन दिन मौसम बदला रहेगा। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में बारिश का अलर्ट जारी

किया है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में एवलांच की आशंका जताई गई है। हिमाचल के अटल टनल रोहतांग के नॉर्थ पोर्टल इलाके में एवलांच के खतरे को देखते हुए पर्यटकों की एंट्री पर रोका लगा दी है। वहीं जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में लोगों को पहाड़ी और बर्फीले क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी गई है। इधर, मध्य प्रदेश के 15 जिलों में गुरुवार को बारिश हुई। मऊगंज में आकाशीय बिजली की चपेट में आकर एक महिला की मौत हो गई। वहीं राजस्थान के सभी जिलों में आंधी-बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। जैसलमेर में शुक्रवार सुबह बारिश हुई। हरियाणा के हिसार, सिरसा और फतेहाबाद में गुरुवार को आंधी चली। दो दिन पहले हुई बारिश में करीब 100 गांवों में गेहूं, सरसों और चने की फसल को नुकसान पहुंचा है। दिल्ली में भी शुक्रवार सुबह धूलभरी आंधी चली। इससे कई हिस्सों में विजिबिलिटी कम हो गई। अगले दो दिन मौसम का हाल-4-5 अप्रैल- उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में ओलावृष्टि की आशंका है। तमिलनाडु में बिजली गिर सकती है। देहरादून और उत्तरकाशी समेत 6 जिलों में आज बारिश की संभावना है। वहीं 3500 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी भी हो सकती है। मौसम विभाग ने रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। 30 से 40किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। लखनऊ समेत प्रदेश के 18 जिलों में बारिश का अलर्ट है। लखनऊ में शुक्रवार सुबह से बादल छाए हुए हैं। आज 30 से 40किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। गुरुवार को प्रदेश में मौसम साफ रहा। पिछले 24 घंटे में बांदा सबसे गर्म रहा। यहां 38.8से. तापमान रिकॉर्ड दर्ज किया गया। इससे पहले बीते 2 दिन में अलग-अलग हिस्सों में बेमौसम बरसात हुई। कन्नौज में सबसे ज्यादा 29 मिमी बारिश हुई। जैसलमेर के ग्रामीण इलाकों में शुक्रवार सुबह से तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज 8 जिलों में आंधी, बारिश और ओले गिरने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बाकी सभी जिलों में यलो अलर्ट है। गुरुवार को श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ के कई हिस्सों में बारिश के साथ ओले गिरे। वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने की वजह से 7-8 अप्रैल तक आंधी-बारिश और ओले गिरने का सिलसिला जारी रहेगा। प्रदेश के 15 से ज्यादा जिलों में गुरुवार को बारिश हुई। मऊगंज में बिजली गिरने से एक महिला की मौत भी हो गई। मौसम विभाग ने मुताबिक, आज 42 जिलों में आंधी-बारिश और ओले गिरने की आशंका है। अगले चार दिन यानी 6 अप्रैल तक प्रदेश में तेज आंधी भी चलेगी। कुछ जिलों में 50 से 60किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक बारिश से राहत के आसार नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज और कल 10 जिलों में तेज बारिश, तूफान और ओले गिरने की संभावना है। चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिला में ऑरेंज अलर्ट है। इधर लाहौल स्पीति, किन्नौर और कुल्लू जिले के पहाड़ी हिस्से में बर्फबारी होने के आसार हैं। अटल टनल रोहतांग के पास एवलांच की आशंका जताई गई है। चंडीगढ़ समेत राज्य के 12 जिलों में आज बारिश और ओले गिरने की अनुमान है। वहीं 10 जिलों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलेंगी। इस दौरान हवा की रफ्तार 50 से 60किमी/घंटा रहेगी। गुरुवार को पटियाला राज्य का सबसे गर्म जिला रहा, यहां 36.8से. तापमान दर्ज किया गया है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से आज आंधी-बारिश और ओले गिरने की आशंका है। प्रदेश के लगभग सभी जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। 40 से 50किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। गुरुवार की रात हिसार, फतेहाबाद और सिरसा में तेज आंधी चली। वहीं हिसार में रात के समय तेज बारिश हुई।

अयोध्या में बुर्का पहनकर लूटने वाली महिला हिंदू निकली,4 महीने की गर्भवती हैं

खिलौना पिस्टल दिखाकर ज्वेलरी लूटी फिर बॉयफ्रेंड के साथ गिरफ्तार

अयोध्या। अयोध्या में ज्वेलरी शॉप में बुर्का पहनकर लूट करने वाली महिला हिंदू निकली। बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर उसने वारदात की थी। पुलिस ने गुरुवार देर रात दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। महिला का नाम पायल (25) और लड़के का नाम राहुल (27) है। वारदात के वक्त राहुल ज्वेलरी शॉप से कुछ दूर बाइक लेकर खड़ा था। पायल ने खिलौना पिस्टल यानी नकली पिस्टल दिखाकर दुकान से 3.6 लाख का

सोने का हार और चेन लूट ली। फिर भागकर राहुल के पास पहुंची। उसके साथ बाइक से फरार हो गई। आरोपी पायल की पिछले साल 5 अप्रैल को शादी हुई थी। वह 4 महीने की गर्भवती है। पति के साथ पंजाब में रह रही थी। 16 अप्रैल को इंटरमीडिएट की परीक्षा देने के लिए अयोध्या में मायके आई थी। पायल के पिता राम नवल ने भास्कर को बताया कि गुरुवार को ताबीज बनवाने की बात कहकर घर से निकली थी। उसने बताया था कि उसकी तबीयत बार-बार खराब हो जाती है। उसने यह सब क्यों किया, नहीं पता। वारदात गुरुवार दोपहर 12.30 बजे हुई। ज्वेलरी की दुकान में लगे 6 सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी। घटना रुदौली कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कोठी बाजार की है। राम मंदिर से घटनास्थल की दूरी करीब 45 किमी है। शुरुआती जांच में पता चला कि राहुल ने बाजार से नकली पिस्टल और बुर्का खरीदा। पहचान छिपाने के लिए पायल ने बुर्का पहनकर वारदात की। जिस बाइक से दोनों फरार हुए थे, कैमरे में उसका नंबर कैद हो गया था। इसे ट्रेस कर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। एडीजे जोन लखनऊ प्रवीण कुमार ने बताया- 'दोनों अयोध्या से बाहर भागने की फिराक में थे। तभी गिरफ्तार कर लिया गया। बुर्का पहनकर लूट करने वाली महिला का नाम पायल है। उसके साथ राहुल नाम का लड़का था, दोनों बंटी और बबली बनकर घटना को अंजाम दे रहे थे। दोनों दोस्त हैं। खिलौने वाली पिस्टल दिखाकर लूट की गई थी।' रुदौली क्षेत्र के कोठी बाजार मोहल्ला के रहने वाले महेश सर्राफा व्यापारी हैं। उनकी घर से 900 मीटर दूर अग्रवाल कॉम्प्लेक्स में महेश ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। गुरुवार दोपहर को बुर्का पहने एक महिला पहुंची। उसके बाद एक पिट्ठू बैग था। दुकान में पहुंचकर उसने दुकानदार महेश से कहा- मुझे सोने का हार और चेन खरीदनी है। महेश ने उसके सामने एक सोने का हार और सोने की चेन रख दी। इसके बाद महिला ने महेश से पानी मांगा। महेश ने दुकान में काम करने वाले अंकित कुमार को पानी और समोसा लाने के लिए भेज दिया। कुछ देर बाद अंकित समोसा और पानी लेकर आ गया। मगर पायल ने समोसा खाने से मना कर दिया। पानी की बोतल ले ली। महेश ने महिला से समोसा खाने को कहा तो उसने कहा- मैं समोसा नहीं खाती हूं। मेरे लिए मिठाई मंगवा दीजिए। महेश ने अंकित को बर्फी लेने भेज दिया। वह बर्फी लेने चला गया। इस दौरान दुकान के कर्मचारी मनीराम ने हार और चेन को उठाकर काउंटर पर रख दिया। तभी महिला खड़ी हुई और दुकान के अंदर इधर-उधर घूमने लगी। महेश ने उससे पूछा- क्या बात है? महिला ने जवाब दिया- हमारे पति पैसा निकालने गए हैं। अभी आए नहीं है। उन्हें ही देख रही हूं। इसके बाद वह काउंटर के पास आकर खड़ी हो गई। महेश अन्य ज्वेलरी को अलमारी में रखने लगे, तभी पायल ने बॉक्स में रखा सोने का हार और चेन उठा ली। फिर अपना बैग उठाया। दुकानदार महेश ने उसे टोका तो उसने अपनी कमर से पिस्टल निकाल ली। महेश की ओर तानकर बोली- आगे बढ़े तो गोली मार दूंगी। इसके बाद वह दुकान के बाहर भाग गई। महेश और मनीराम ने शोर मचाते हुए उसका पीछा किया था। वह दुकान से निकलकर पैदल भागी और कुछ दूरी पर बाइक लेकर खड़े युवक के साथ फरार भाग गई। महेश ने बताया कि ज्वेलरी 26 ग्राम (22 कैरेट) की थी। 2 अप्रैल को बाजार भाव के हिसाब से कीमत करीब 3 लाख 60 हजार रुपए थी। महेश ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। दिनदहाड़े लूट की खबर से पुलिस में हड़कंप मच गया। सीनियर अफसर मौके पर पहुंच गए। इलाके में घेराबंदी करके जांच की, लेकिन कोई हाथ नहीं आया। 60 सीसीटीवी की फुटेज निकाली, तब गाड़ी नंबर मिला- पुलिस ने 5 टीमें बनाकर जांच शुरू की। जिस रास्ते से महिला बाइक से बॉयफ्रेंड के साथ भागी थी, उस रास्ते के 60 सीसीटीवी फुटेज चेक किए। एक फुटेज में पुलिस को बाइक का नंबर दिख गया। इसके बाद पुलिस ने तुरंत नंबर से बाइक रजिस्ट्रेशन का एड्रेस निकलवाया। पुलिस सबसे पहले परान का पुरवा पहुंची। वहां राहुल का पता चला।

पश्चिम बंगाल में मालदा हिंसा का मुख्य आरोपी अरेस्ट,एयरपोर्ट से पकड़ाया

इसके अलावा, 7 न्यायिक अधिकारियों से भी पूछताछ की जा सकती है। प्रारंभिक जांच

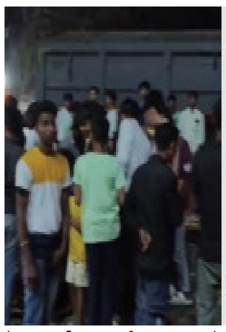

के बाद ही एनआईए इस मामले में केस दर्ज करेगी। इसके बाद गिरफ्तार आरोपियों को एनआईए अपनी हिरासत में ले सकती है। ईसी ने पश्चिम बंगाल में सुरक्षा को लेकर सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 500 कंपनियां तैनात करने का आदेश दिया। मालदा में विरोध प्रदर्शन दिन में पहले कालियाचक 2 ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिस के बाहर शुरू हुआ था। जो देर रात तक जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने शुरू में न्यायिक अधिकारियों से मिलने की मांग की थी। अंदर जाने की परमिशन न मिलने पर, उन्होंने शाम करीब 4 बजे प्रदर्शन शुरू कर दिया और परिसर का घेराव कर लिया। अधिकारियों को 9 घंटे से ज्यादा समय तक बंधक बनाकर रखा गया था। इस मामले में पुलिस ने गुरुवार को 18 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें एक चुनावी उम्मीदवार भी शामिल है। इंडियन सेक्युलर फ्रंट के उम्मीदवार मौलाना शाहजहां अली और 16 लोगों को गिरफ्तार कर जिला अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। कलियाचक की घटना के बाद मालदा में 2 अप्रैल को भी विरोध प्रदर्शन हुआ। गुरुवार को नारायणपुर में बीएसएफ कैंप के सामने भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने नेशनल हाईवे-12 को जाम कर दिया। सड़क पर टायरों में आग लगा दी गई। मालदा, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार और पुरबा बर्धमान में प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाए, सड़कें जाम कीं और मौन जुलूस निकाले; इन जगहों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर एक्शन लिया और घटना को न्याय प्रशासन में बाधा डालने का एक 'दुस्साहसी और जानबूझकर किया गया प्रयास' बताया। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने इस बात पर चिंता जताई कि पहले से पता होने के बावजूद, राज्य के अधिकारी समय पर सुरक्षा मुहैया कराने में विफल रहे, जिसके कारण अधिकारियों को घंटों तक बिना खाना-पानी के रहना पड़ा। यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ लगती है। हमें पता है उपद्रवी कौन हैं, इनका मकसद न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराना और चुनावी प्रक्रिया को बाधित करना है।

राघव चड्ढा बोले- खामोश कराया, हारा नहीं हूं-'आप' को चेतावनी- सैलाब बनकर आऊंगा

कल राज्यसभा में उपनेता पद से हटाया था

जी हां, आम आदमी पार्टी ने पार्लियामेंट को ये सूचित किया है कि राघव चड्ढा को बोलने का

मौका न दिया जाए। राघव ने कहा कि अब भला कोई मेरे बोलने पर रोक क्यों लगाना चाहेगा। मैं तो जब बात करता हूं, देश के आम आदमी की बात करता हूं। मैंने तो जनता के मुद्दे ही उठाएः राघव चड्ढा ने कहा- मैं एयरपोर्ट पर मिल रहे महंगे खाने की बात करता हूं। जोमेटो-ब्लिंकिट के डिलीवरी राइडर्स की प्रॉब्लम की बात रखी। खाने में मिलावट का मुद्दा उठाया। टोल प्लाजा लूट से लेकर बैंक चार्जेस लूट की बात की। यहां तक कि मिडिल क्लास पर टैक्स के बोझ से लेकर कॉन्टेंट क्रिएटर्स पर स्ट्राइक क्यों की जाती है। टेलीकॉम कंपनियां कैसे 12 महीने में 13 महीने का हमसे रिचार्ज करवाती हैं। डेटा रोलओवर नहीं देती हैं। रिचार्ज खत्म होने के बाद इनकमिंग रोक देती हैं। मेरे बोलने से 'आप' को क्या नुकसान हुआः राघव चड्?ढा ने कहा- ये मुद्दे उठाने के बाद देश के आम आदमी का तो फायदा हुआ, इससे आम आदमी पार्टी का क्या नुकसान हुआ। भला कोई मुझे बोलने से क्यों रोकना चाहेगा। कोई मेरी आवाज को क्यों बंद करना चाहेगा। जिन लोगों ने आज पार्लियामेंट में मेरे बोलने का अधिकार मुझसे छीन लिया, मुझे खामोश कर दिया, मैं उन्हें भी कुछ कहना चाहता हूं। मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझ लेना। मैं वो दरिया हूं, जो वक्त आने पर सैलाब बनता है। सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा के 'आप' के उपनेता पद से हटाए जाने के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पार्टी की नीतियां चलती रहती हैं। जब हम 4 चुने गए थे तो धर्मवीर गांधी को लीडर बनाया गया था। उसके बाद मुझे नेता बनाया गया था। यह पार्टी के फैसले हैं, तो चलते रहते है। संसद के पिछले 2 सत्रों में राघव ने आम लोगों से जुड़े मुद्दे उठाए- शीतकालीन सत्र 2025 गिग वर्कर्स का मुद्दाः ब्लिंकिट, जोमैटो और स्विगी जैसे डिलीवरी पार्टनर्स के कम वेतन, 10-मिनट डिलीवरी मॉडल और सामाजिक सुरक्षा की कमी। डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्सः कॉपीराइट एक्ट 1957 में संशोधन की मांग की, ताकि शिक्षकों और इन्फ्लुएंसर्स को एल्गोरिदम और गलत 'टेकडाउन' से बचाया जा सके। स्वास्थ्य क्षेत्रः 'एक देश, एक स्वास्थ्य उपचार' की वकालत की और सरकारी अस्पतालों की बदहाली पर चिंता जताई। बजट सत्र 2026 खाद्य मिलावटः राज्यसभा में यूरिया और अन्य मिलावटों का मुद्दा उठाया। एयरपोर्ट पर सस्ता खानाः यात्रियों को सस्ता खाना मिले, इसके लिए सभी 150 प्लस एयरपोर्ट्स के डिपार्चर एरिया में किफायती कैफे की मांग की। 28-दिन का रीचार्जः मोबाइल रीचार्ज 28 दिन के बजाय पूरे कैलेंडर महीने (30 ये 31) का हो, बचा हुआ डेटा अगले महीने जुड़ जाए। बैंक पेनल्टीः मिनिमम बैलेंस न रखने पर लगने वाले जुर्माने को पूरी तरह खत्म करने का प्रस्ताव दिया। संयुक्त इनकम टैक्स फाइलिंगः विवाहित जोड़ों के लिए एक साथ इनकम टैक्स फाइलिंग का विकल्प दिया जाए। पितृत्व अवकाशः भारत में पितृत्व अवकाश को एक कानूनी अधिकार बनाया जाना चाहिए।

मोतिहारी में जहरीली शराब से 5 की मौत,6 की आंख की रोशनी गई-7 गंभीर

हत्या का केस दर्ज, एसएचओ सस्पेंड-चौकीदार गिरफ्तार

मोतिहारी। बिहार में एकबार फिर जहरीली शराब से मौत हुई है। मोतिहारी में 5 लोगों की जान चली गई, जबकि 15 की हालत

गंभीर है। इनमें से 6 की आंखों की रोशनी चली गई है। सभी का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। बीमार लोगों में से 2 की हालत नाजुक बनी हुई है। मामला रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा गांव से शुरू हुआ और अब आसपास के इलाकों में फैल गया है। रघुनाथपुर थाना के बालगंगा के संपत साह ने दोपहर 1 बजे मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच

में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इससे पहले सुबह परीक्षण मांझी (46), और हीरालाल भगत की मौत हो गई। जबकि पहली मौत कल सुबह और दूसरी कल गुरुवार रात को हुई। शराबकांड पर एसपी ने कार्रवाई की है। तुरकौलिया एसएचओ उमाशंकर मांझी को सस्पेंड किया गया है, जबकि चौकीदार भरत राय को गिरफ्तार कर लिया है। तुरकौलिया और रघुनाथपुर थाने में मामले को लेकर हत्या का केस दर्ज कराया गया है। ये केस मृतक प्रमोद यादव और हीरालाल भगत के परिवार की शिकायत पर हुआ है।मिली जानकारी के अनुसार, दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में बुधवार शाम लोगों ने शराब पी, जिसके बाद तबीयत बिगड़नी शुरू हई। पुलिस के अनुसार, गुरुवार सुबह तुरकौलिया थाना क्षेत्र के पुलवा घाट निवासी चंदू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। परिजनों ने बिना किसी को सूचना दिए जल्दबाजी में उसका अंतिम संस्कार कर दिया था। शराब से मौत का खुलासा तब हुआ जब रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा निवासी लोहा ठाकुर की तबीयत बिगड़ी और उनकी आंखों की रोशनी कम होने लगी। परिजन उन्हें इलाज के लिए मदन राज नर्सिंग होम ले गए, जहां लोहा ठाकुर ने बताया कि उन्होंने शराब पी थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन हरकत में आए। शराब पीने वाले लोगों की पहचान कर उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा जाने लगा। इसी दौरान तुरकौलिया थाना क्षेत्र के शंकर सरैया पंचायत के परसौना गांव निवासी प्रमोद यादव, जो पहले से बीमार थे, की इलाज के दौरान मौत हो गई। लक्ष्मीपुर गदरिया के रहने वाले राजेंद्र कुमार ने कल गुरुवार को शराब पी थी। उनका सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है।बातचीत में उन्होंने बताया, 'शराब पीने के तुरंत बाद कुछ नहीं हुआ। घर आया, करीब आधे घंटे बाद देखने में तकलीफ होने लगी। कुछ भी साफ नहीं दिख रहा था, सब हरा-हरा नजर आता है। मैंने ध्यान नहीं दिया और पानी पीकर सो गया। सुबह-सुबह उल्टी हुई, और बेचैनी बढ़ गई।'इलाजरत लोहा ठाकुर ने कहा, 'सभी लोग बालगंगा में ही स्प्रिट पी थी। उसके साथ अन्य लोग भी थे। घर आने पर तबीयत बिगड़ी।' इलाजरत लड्डू साह की बेटी गौरी कुमारी के अनुसार, 'उसके पिता मोतिहारी में ठेला चलाते हैं। बुधवार दोपहर 3 बजे वे घर आए। कुछ ही देर बाद बुखार और उल्टी होने लगी।'

मृतक चंदू के चाचा हरेंद्र सिंह ने बताया, 'बुधवार रात दो बजे चंदू को तेज पेट दर्द और उल्टी हुई। दवा दिया गया। लगा कि ठीक हो गया, लेकिन कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। मौत के बाद आनन-फानन में परिजनों ने उसका गुरुवार सुबह दाह-संस्कार कर दिया।'अस्पताल में भर्ती रमेश यादव के बेटे एसपी लाल कुमार ने बताया, कल रात हम लोग घर पर नहीं थे। पापा शाम में घूमने निकले थे, वहीं उन्होंने शराब पी ली। आज सुबह जब हम वास आए तो पापा की तबीयत बिगड़ती हुई दिखी। पूछने पर बताया कि झिंगू बैठा के यहां शराब पी थी। इसके बाद हम उन्हें हॉस्पिटल ले आए।जहरीली शराब से बीमार लोगों में लोहा ठाकुर, लड्डू साह, राहुल कुमार, रविंद्र यादव (35), दिनेश यादव (28), उमेश राम और बालगंगा निवासी संपत साह (30) समेत 15 लोग शामिल हैं।

इनमें से तीन की स्थिति गंभीर बनी हुई है और इनका इलाज जारी है। 6 से 7 लोगों के आंखों की रोशनी चली गई है। सदर अस्पताल के डॉ अनूप गौतम ने कहा, 'रात से अभी तक 8-9 लोग इलाज के लिए अस्पताल आ चुके हैं। आज सुबह यहां एक मरीज की मौत हुई है। 2 को मैंने रेफर किया है। बीमार में से 2 की आंख की रोशनी में कमी आ गई है। मैंने दवा ली है, अगर कंट्रोल नहीं हुआ तो उन्हें भी रेफर करेंगे। जिसने भी शराब पी है, और तबीयत बिगड़ी है, मैं उनसे कहूंगा कि डरे नहीं और आकर इलाज कराए।' मृतक प्रमोद यादव के परिजनों ने

तुरकौलिया थाना में हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। कांड के मुख्य साजिशकर्ता नागा राय को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं परसौना का चौकीदार भरत राय को निलंबित किया गया। सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। साइबर डीएसपी और डीआईयू प्रभारी टीम में शामिल हैं। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर अलग-अलग टीमों का गठन कर शराब तस्करों के खिलाफ छापेमारी की जा रही है। नागा राय के अलावे छह और संदिग्ध तस्करों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि जहरीली शराब कहां से आई और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। मोतिहारी शराबकांड पर तेजस्वी यादव ने सरकार को घेरा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, '4 लोगों की मौत, 6 लोगों की आंखों की रोशनी चले जाना और कई लोगों की हालत गंभीर होना अत्यंत दुखद है। यह बिल्कुल भी पहली बार नहीं है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार शराबबंदी लागू होने के बाद से अब तक बिहार में जहरीली शराब से 1300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। यह तो केवल सरकारी आंकड़ा है, हकीकत में यह संख्या इससे कहीं अधिक है। इतना ही नहीं, कई दर्जन लोग अपनी आंखों की रोशनी भी खो चुके हैं। शराबबंदी कानून का मूल उद्देश्य अब पूरी तरह भटक चुका है। यह कानून सत्ताधारी भाजपा-जदयू के कुछ नेताओं, भ्रष्ट अधिकारियों और उनके संरक्षण में पल रहे शराब माफियाओं और भ्रष्ट तंत्र के लिए कमाई का कमाऊ पूत बन गया है।' अप्रैल 2016 में नीतीश सरकार ने बिहार में शराबबंदी कर दी। इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ हिंसा को कम करना, स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवस्था ठीक करना था। यह पॉलिसी बिहार प्रोहिबिशन एंड एक्साइज एक्ट, 2016 पर आधारित है, जो शराब के उत्पादन, बिक्री और सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है। देसी शराब में अमोनियम नाइट्रेट (यूरिया) और ऑक्सीटोसिन मिलाने से मेथेनॉल (मिथाइल एल्कोहल) बन जाता है। यही बाद में मौत का कारण बनता है। मेथेनॉल की अधिकता से शराब टॉक्सिक बन जाती है। इसके बाद मेथेनॉल जब शरीर में मेटाबोलाइज होता है तो वो फार्मेल्डिहाइड बनाता है और बाद में फॉर्मिक एसिड बन जाता है, जो कि जहर है। इसके शरीर में जाते ही ब्रेन और आंख सबसे पहले प्रभावित होती हैं। इसके बाद बॉडी के दूसरे ऑर्गन काम करना बंद कर देते हैं और व्यक्ति की मौत हो जाती है। 15 से 500 एमएल तक की मात्रा लेने पर व्यक्ति की मौत हो जाती है। ऑक्सीटोसिन से नपुंसकता और नर्वस सिस्टम से जुड़ी बीमारियों का खतरा रहता है। आंखों की रोशनी भी जा सकती है।

तापसी पन्नू बोलीं- फिल्में फ्लॉप हुईं,हीरोइन बनने पर संदेह था, कंटेंट-ड्रिवन फिल्मों से इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाई

मुंबई। दिल्ली के एक साधारण परिवार से निकलकर इंजीनियरिंग करने वाली तापसी पन्नू ने कभी नहीं सोचा था कि वह ग्लैमर इंडस्ट्री में पहचान बनाएंगी। मॉडलिंग से शुरुआत कर उन्हें साउथ फिल्म

इंडस्ट्री में मौका मिला, लेकिन वहां लंबे समय तक सिर्फ ग्लैमरस किरदारों तक सीमित रहीं। कई फिल्मों के फ्लॉप होने पर उन्हें पनौती कहा गया, जिससे आत्मविश्वास को गहरा झटका लगा। बॉलीवुड में एंट्री आसान नहीं रही। 'चश्मे बद्दूर' से डेब्यू के बाद असफलताओं और आत्म-संदेह के दौर में तापसी ने खुद को संभाला। उन्होंने स्वीकार किया कि वह अपने लुक, आत्मविश्वास और काबिलियत को लेकर असुरक्षित महसूस करती थीं। इस संघर्ष ने उन्हें मजबूत बनाया और बेहतर फैसले लेना सिखाया। फिर आया टर्निंग पॉइंट- पिंक। इस फिल्म ने उनकी इमेज बदली और उन्हें गंभीर अभिनेत्री के रूप में पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कंटेंट-ड्रिवन फिल्मों का रास्ता चुना और इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाई। तापसी पन्नू का जन्म 1 अगस्त 1987 को नई दिल्ली में जाट सिख परिवार में हुआ। उनके पिता दिलमोहन सिंह पन्नू सेवानिवृत्त रियल एस्टेट एजेंट हैं, जबकि मां निर्मलजीत कौर पन्नू गृहिणी हैं। परिवार शक्ति नगर में रहता था और 1984 के सिख-विरोधी दंगे के दौरान हिंसा का सामना किया, लेकिन पड़ोसियों की मदद से सुरक्षित बच निकले। उनकी एक छोटी बहन शगुन पन्नू हैं। स्कूलिंग और शुरुआती शिक्षा-तापसी ने स्कूली शिक्षा माता जय कौर पब्लिक स्कूल, अशोक

विहार से पूरी की। इसके बाद गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में डिग्री ली। इंजीनियरिंग के बाद वह सॉफ्टवेयर कंपनी में नौकरी कर रही थीं। इसी दौरान पार्ट-टाइम कुछ नया करने के लिए मॉडलिंग ट्राय की। ग्लैमर इंडस्ट्री में आने का मकसद सिर्फ एक्स्ट्रा कमाई-तापसी बताती हैं कि शुरुआत में मकसद सिर्फ एक्स्ट्रा कमाई और एक्सपोजर था, न कि ग्लैमर इंडस्ट्री में करियर बनाना। लेकिन काम मिलने पर लगा कि इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। तापसी ने 2008 में 'गेट गॉर्जियस' टैलेंट शो में हिस्सा लिया, जहां से पहचान मिली और मॉडलिंग को फुल-टाइम करियर बना लिया। मॉडलिंग के दौरान उन्होंने 'पैंटालून्स फेमिना मिस फ्रेश फेस' और 'साफी फेमिना मिस ब्यूटीफुल स्किन' जैसे खिताब जीते। कॉलेज टाइम में तापसी कल्चरल एक्टिविटीज और डांस में हिस्सा लेती थीं, जिससे कैमरे के सामने कॉन्फिडेंस आया। मॉडलिंग असाइनमेंट्स मिलने पर लगा कि इस फील्ड में ग्रोथ और पहचान मिल सकती है। धीरे-धीरे उन्होंने कई ब्रांड्स के लिए एड शूट किए और झुकाव बढ़ता गया। तापसी ने कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापनों में काम किया, जिनमें रिलायंस ट्रेंड्स, रेड एफएम 93.5, कोका-कोला, मोटोरोला, पैंटालून्स, पीवीआर सिनेमाज, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, डाबर, एयरटेल, टाटा डोकोमो, हैवेल्स और वर्धमान शामिल हैं। फिल्मों की ओर रुख करने का फैसला-कुछ साल बाद तापसी को लगा कि मॉडलिंग से वह पहचान नहीं मिल रही जो चाहती थीं। इसी वजह से उन्होंने फिल्मों की ओर रुख किया। मॉडलिंग की वजह से ही उन्हें पहला ब्रेक साउथ फिल्म इंडस्ट्री में मिला। साउथ सिनेमा में डेब्यू और शुरुआती सफर-तापसी को साउथ में पहला बड़ा ब्रेक 2010 में तेलुगु फिल्म 'झुम्मंडी नादम' से मिला, जिसमें उन्होंने मोहन बाबू के साथ काम किया। इसके बाद तमिल फिल्म 'आदुकलम' में धनुष के साथ नजर आईं। फिल्म को समीक्षकों से सराहना मिली और 58वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में कई अवॉर्ड्स मिले। इसमें उनके अभिनय को प्रॉमिसिंग बताया गया। ग्लैमरस रोल्स में सीमित रहने की चुनौती-शुरुआती दौर में उन्हें ज्यादातर ग्लैमरस रोल्स तक सीमित रखा गया, जिससे वह संतुष्ट नहीं थीं। इसके बाद उन्होंने 'मिस्टर परफेक्ट' में प्रभास और 'वीरा' में रवि तेजा के साथ काम किया। इन फिल्मों को मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला। फिर तमिल फिल्म 'वान्थान वेंदरान' में काम किया, जो न आलोचकों को पसंद आई और न बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। इसके बाद 'मोगुडु' में गोपीचन्द के साथ नजर आईं। फ्लॉप फिल्मों से मिला पनौती का टैग-इस फिल्म में उनके अभिनय की तारीफ हुई, भले ही फिल्म को बड़ी सफलता नहीं मिली। इसी दौरान उन्होंने 'गुंडेलो गोदारी', 'दारुवु' और 'शैडो' जैसी तेलुगु फिल्मों में काम किया। उस समय उनकी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं, इसलिए उन्हें पनौती कहा जाने लगा। बाद में तापसी ने इंटरव्यू में बताया कि यह समय उनके लिए मुश्किल था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत करती रहीं। वह कहती हैं कि साउथ इंडस्ट्री में शुरुआती दौर में उन्हें ग्लैमरस रोल्स तक सीमित रखा गया, जिससे वह संतुष्ट नहीं थीं। तापसी मलयालम

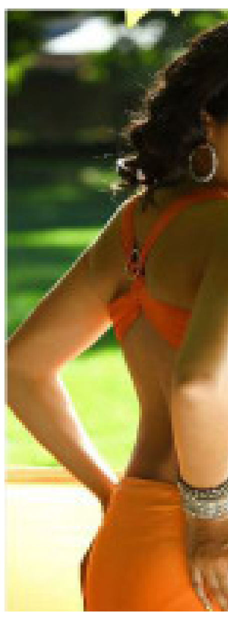

फिल्म 'डबल्स' में ममूटी के साथ और तमिल फिल्म 'कंचना 2' में राघव लॉरेन्स के साथ काम कर चुकी हैं।तापसी पन्नू ने साउथ इंडस्ट्री में पहचान बनाने के बाद बॉलीवुड में कदम रखा, लेकिन शुरुआती सफर आसान नहीं रहा। उन्होंने डेविड धवन की फिल्म 'चश्मे बद्दूर' (2013) से हिंदी सिनेमा में एंट्री की। फिल्म औसत रही और इसके बाद उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। शुरुआती फ्लॉप फिल्मों का दौर-'चश्मे बद्दूर' के बाद तापसी ने कई फिल्मों में काम किया जो बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा सकीं। इनमें 'रनिंग शादी', 'दिल जंगली' और 'द गाजी अटैक' शामिल हैं। कुछ फिल्मों को क्रिटिक्स की सराहना मिली, लेकिन व्यावसायिक सफलता नहीं मिली। इस तरह शुरुआती दौर में करीब 2-3 फिल्में फ्लॉप या औसत रहीं। जूम टीवी के साथ बातचीत में तापसी ने कहा था- जब मैंने बॉलीवुड में कदम रखा, तो सच कहूं तो मैं खुद को काफी असुरक्षित महसूस कर रही थी। मुझे लगता था कि मैं उसके योग्य नहीं हूं। शुरुआत में मैं अपने लुक, अपने अंदाज, अपने आत्म-विश्वास को लेकर बहुत शंकित रहती थी। हर नई फिल्म, हर नया रोल मेरे लिए डर का विषय था। मैंने तेलुगू फिल्म 'झुम्मंडी नादम' से शुरुआत की, फिर बॉलीवुड में 'चश्मे बद्दूर' से डेब्यू किया। उस समय मुझे इंडस्ट्री की कोई समझ नहीं थी, कोई

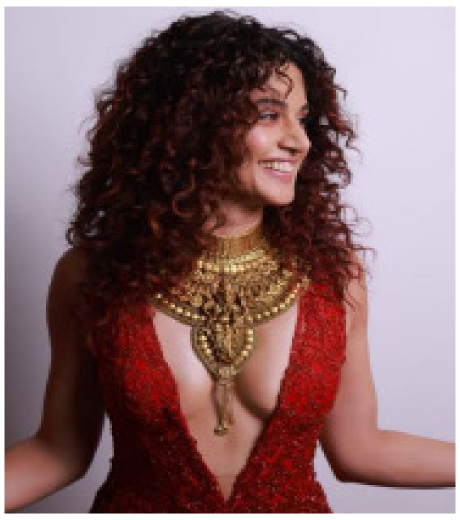

मार्गदर्शन नहीं मिला। अगर मुझे पहले पता होता कि मैं यहां सफल हो सकती हूं, तो शायद मैं खुद को बेहतर तरीके से तैयार कर पाती। शुरुआत में मैं खुद की हमेशा आलोचना करती रहती थी। अगर फिल्म ठीक से चली नहीं, तो मैं खुद को ही दोषी मान लेती थी, भले ही नतीजा पूरी टीम पर निर्भर करता हो। यह आत्म-संदेह मेरे मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालता था। खुद से सवाल, कोई हीरोइन क्यों लेगा ? मैं यह भी सोचती थी कि मैं उन हीरोइनों जैसी खूबसूरत नहीं हूं, इसलिए शायद लोग मुझे कास्ट नहीं करेंगे। फैशन, मेकअप, कैमरे का अच्छा एंगल, इन सब चीजों की मुझे बिल्कुल समझ नहीं थी। उस समय सीखने की प्रक्रिया बहुत थकाने वाली थी। आज मुझे लगता है कि अगर आप खुद में आत्म-विश्वास महसूस करते हैं, तो आप हर चुनौती का सामना कर सकते हैं। मैंने सीखा है कि असफलता को स्वीकार करना और खुद को सीखने देना कितना जरूरी है। अब मैं खुद को इतना कठोर नहीं बनाती और हर मौके का पूरा आनंद लेती हूं। फिल्मों में कई भूमिकाएं और कहानियां हैं जो महिलाओं के संघर्ष, व्यक्तित्व और ताकत पर केंद्रित हैं। मुझे खुशी है कि मैंने भी ऐसी भूमिकाएं निभाईं, जो मेरे लिए चुनौती और सीख दोनों साबित हुई हैं। बॉलीवुड में संघर्ष और चुनौतियां-तापसी के लिए बॉलीवुड में जगह बनाना आसान नहीं था। साउथ इंडस्ट्री में काम करने के बाद भी उन्हें बॉलीवुड में आउटसाइडर की तरह देखा गया। बड़े बैनर और स्टार किड्स के बीच पहचान बनाना बड़ी चुनौती थी। उन्हें कई बार टाइपकास्ट होने का खतरा रहा, जहां सिर्फ ग्लैमरस रोल ऑफर किए जाते थे। लेकिन उन्होंने इस धारणा को तोड़ते हुए कंटेंट-ड्रिवन फिल्मों का चुनाव किया और धीरे-धीरे अभिनय के दम पर अलग पहचान बनाई। तापसी ने बताया कि जब फिल्मों का सिलसिला उम्मीद के मुताबिक सफल नहीं हुआ, तो उन्होंने खुद पर भरोसा करना सीखा। इन अनुभवों ने उन्हें मजबूत बनाया और अपनी प्रतिभा के अनुसार सही प्रोजेक्ट्स चुनना सिखाया। उन्होंने कहा कि अब वह उन फिल्मों को चुनती हैं जिनसे उन्हें भावनात्मक और रचनात्मक जुड़ाव महसूस होता है। उनके अनुसार अब कमर्शियल सफलता से ज्यादा कलात्मक संतुष्टि उनके निर्णयों का आधार है। तापसी ने स्वीकार किया कि शुरुआती फिल्मों के चयन में उन्होंने सुरक्षित विकल्प चुने, जो बॉक्स ऑफिस पर असरदार साबित नहीं हुए। लेकिन बाद में उनके चुनौतीपूर्ण निर्णयों ने दर्शकों से अच्छा कनेक्शन बनाया और उन्हें अलग पहचान दिलाई।लगातार फ्लॉप और औसत फिल्मों के बाद तापसी ने करियर की दिशा बदली। 2016 में रिलीज फिल्म 'पिंक' उनके करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट बनी। इसमें उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ काम किया। 'पिंक' के बाद तापसी पन्नू ने करियर की दिशा साफ कर दी थी। वह सिर्फ ग्लैमरस या कमर्शियल रोल तक सीमित नहीं रहना चाहती थीं। उन्होंने ऐसी फिल्मों का चुनाव किया, जिनकी कहानी मजबूत हो और जो समाज से जुड़े अहम मुद्दे उठाती हों। इस कड़ी में उन्होंने 'नाम शबाना', 'मुल्क', 'मनमर्जियां', 'बदला' और 'थप्पड़' जैसी फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों से उन्होंने साबित किया कि वह कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा की भरोसेमंद एक्ट्रेस हैं। खासकर 'थप्पड़' में उनके अभिनय को सराहा गया, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवॉर्ड मिला। इस फिल्म के बारे में उन्होंने फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में कहा था- यह फिल्म सिर्फ एक थप्पड़ की नहीं, बल्कि आत्मसम्मान की कहानी है, और मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं। इसके अलावा तापसी ने 'सांड की आंख' और 'हसीन दिलरुबा' में दमदार किरदार निभाए। 'रश्मि रॉकेट' में एथलीट की भूमिका निभाई, जबकि 'लूप लपेटा' में अलग अंदाज दिखा। 'दोबारा' और 'ब्लर' में उन्होंने एक्सपेरिमेंटल सिनेमा में हाथ आजमाया।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी तापसी ने मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। 'हसीन दिलरुबा' और 'ब्लर' को डिजिटल ऑडियंस से अच्छा रिस्पॉन्स मिला, जिससे लोकप्रियता बढ़ी। उन्होंने शाहरुख खान के साथ फिल्म 'डंकी' में काम किया, जिसने उन्हें मेनस्ट्रीम सिनेमा में मजबूत पहचान दिलाई।

एक्टर रणदीप हुड्डा की मां की फिल्मों में एंट्री,पहली फिल्म में निभाया दादी का किरदार

बेटे ने मजाकिया अंदाज में दी बधाई

सोनीपत। बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा की मां आशा हुड्डा

भी अब फिल्मों में नजर आई है। अपनी पहली ही फिल्म में उन्होंने दादी का किरदार निभाया है। एक्टर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मां और पूरी टीम को फिल्म के लिए बधाई दी। मजाकिया लहजे में उन्होंने लिखाष्ठजिब मां के रोल का टेम था, टेम ना मिल्या, तै ईब सीधा दादी का। आशा हुड्डा ने दैनिक भास्कर एप से बात करते हुए बताया कि करीब डेढ़ साल पहले ये रोल मिला था। आशा हुड्डा पॉलिटिक्स में भी एक्टिव है। बीजेपी में वे हरियाणा महिला मोर्चा की जनरल सेकेट्री रह चुकी हैं। 2 बार बीजेपी से ही विधानसभा चुनाव की दावेदारी भी कर चुकी हैं।डेढ़ साल पहले मिला ऑफरः आशा हुड्डा ने बताया कि करीब डेढ़ साल पहले सोनीपत की रहने वाली फिल्म क्रिएटर गीतू परी ने उन्हें फिल्म में रोल के लिए कॉल किया था। गीतू ने उन्होंने 'सांगी फिल्म' में उनके किरदार के बारे में बताया। इसके बाद उन्होंने फिल्म में एक दादी का रोल निभाया। जींद में हुई दादी के रोल की शूटिंगः आशा ने बताया कि जींद और आसपास के एरिया में उनके किरदार की शूटिंग हुई। एक-दो दिन में ही उनके हिस्से की शूटिंग पूरी हो गई। उन्होंने बताया कि हरियाणा की संस्कृति को सिनेमा पर दिखाने के लिए ही उन्होंने यह रोल साइन किया। डेढ़ साल पहले हुई शूटिंगः आशा ने आगे बताया कि करीब डेढ़ साल पहले वह जींद में शूटिंग पूरी की थी। शूटिंग के बाद जब मैं घर लौटी तो रणदीप को इसके बारे में बताया। एक्टिंग की बात सुनकर रणदीप काफी देर तक हंसता रहा। बोलने लगा कि मां, दादी का रोल कर रही है। पहला अनुभव रहा बेहतरीनः पहली बार हरियाणवी फिल्म में इंडस्ट्री से अपनी शुरुआत करने वाली आशा हुड्डा ने कहा है कि उनका यह पहला प्रोजेक्ट बहुत बेहतरीन रहा और काफी अच्छा एक्सपीरियंस रहा है। आगे भी जब उन्हें मौका मिलेगा, तो वह लगातार किरदार करेंगी। रणदीप से मजाक में मांगा रोलः आशा बताती हैं कि अपने स्ट्रगल टाइम से निकाल कर जब रणदीप हुड्डा ने बॉलीवुड में जगह बनाई, उसके बाद कभी-कभी मजाक में रणदीप से कहती थी कि कभी मां का रोल मिले तो मुझे भी कास्ट करना।फिल्म की क्रिएटर गीतू परी का कहना है कि 'सांगी' फिल्म में एक कलाकार के संघर्ष की कहानी दिखाई गई है। जिसमें लीड रोल साक्षी दलाल ने निभाया है। फिल्म कई बार लव ट्राइएंगल पर भी चली जाती है। उन्होंने बताया कि आशा हुड्डा का दादी का किरदार सभी कोस्टार को भी खूब पसंद आया। आशा हुड्डा ने बताया कि 1971 में उन्होंने रोहतक के वूमेन कॉलेज से ग्रेजुएशन की है। कॉलेज के दिनों से उन्होंने कॉलेज के कई कल्चरल प्रोग्राम में पार्टिशिपेट किया। हालांकि, शादी के बाद पारिवारिक और राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। राजनीतिक और सामाजिक सफर- आशा हुड्डा ने बताया कि 1994 में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहब सिंह वर्मा ने उन्हें बीजेपी जॉइन कराई थी। इसके बाद सन 2000 से लेकर 2003 तक वे हरियाणा महिला मोर्चा की जनरल सेक्रेटरी भी रही। इसके बाद पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारिणी शिक्षक प्रकोष्ठ की पंजाब प्रभारी भी बनाया। भाजपा में सक्रिय भूमिका और अन्य पद-बीजेपी ने उन्हें 2018 में पावर जेनरेशन हरियाणा की डायरेक्टर नियुक्त किया। आशा ने 2014 और 2019 में पृथला विधानसभा से टिकट की दावेदारी भी की, हालांकि पार्टी ने उन्हें प्रत्याशी नहीं बनाया। पृथला विधानसभा में क्षेत्र में आशा के मामा का गांव भी पड़ता है।

चौधरी असलम की पत्नी ने संजय दत्त की तारीफ में बोली- 'उनकी एक्टिंग देख कर एक पल को लगा पति ही सामने खड़े हों'

मुंबई। फिल्म 'धुरंधर' में संजय दत्त ने पाकिस्तानी पुलिस अफसर चौधरी असलम का

किरदार निभाया है। उनके इस रोल की अब खुद दिवंगत चौधरी असलम की पत्नी नौरीन असलम ने भी इसकी तारीफ की है। नौरीन ने कहा कि संजय दत्त को फिल्म में देखकर एक पल के लिए उन्हें ऐसा लगा जैसे उनके पति ही पर्दे पर सामने खड़े हों। हालांकि, उन्होंने फिल्म के मेकर्स से थोड़ी नाराजगी भी जताई है। आजतक रेडियो के एक पॉडकास्ट में नौरीन असलम ने फिल्म में संजय दत्त की परफॉर्मेंस पर बात की। उन्होंने कहा, संजय दत्त इस रोल के लिए बिल्कुल सही पसंद थे। फिल्म के एक सीन में जब वह गाड़ी के पास खड़े होकर अपनी नजरें उठाते हैं, तो मुझे लगा जैसे खुद असलम खड़े हैं। नौरीन ने यह भी बताया कि उनके पति अक्सर मजाक में कहा करते थे कि उनकी मौत के बाद उनके जीवन पर फिल्म बनेगी। तारीफ के साथ-साथ नौरीन ने फिल्म की गहराई पर सवाल भी उठाए। उनका कहना है कि फिल्म में उनके पति के किरदार के साथ पूरी तरह न्याय नहीं किया गया। नौरीन ने कहा, अगर वे फिल्म बना रहे थे, तो कम से कम मुझसे, पुलिस विभाग या उन पत्रकारों से बात करनी चाहिए थी जिन्होंने असलम को करीब से देखा है। इससे उनके किरदार के सकारात्मक और नकारात्मक, दोनों पहलुओं को बेहतर तरीके से दिखाया जा सकता था। नौरीन ने बताया कि उन्होंने पूरी फिल्म नहीं देखी है, लेकिन कुछ क्लिप्स देखी हैं। फिल्म में पुलिस अफसर के किरदार द्वारा इस्तेमाल की गई गालियों पर उन्होंने कहा कि यह फैमिली ऑडियंस के लिए भले ही ठीक न हो, लेकिन पुलिस महकमे में ऐसी भाषा आम बात है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म के किरदार और माहौल पर फिट बैठता है।

रु1500 करोड़ कमाने वाली चौथी फिल्म बनी धुरंधर 2,वर्ल्डवाइड कलेक्शन रु1501 करोड़ हुआ, भारत में नेट कमाई भी रु1000 करोड़ के करीब

मुंबई। रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 ने भारत में 961

करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन कर लिया है। फिल्म अब 1000 करोड़ रुपए नेट क्लब के करीब पहुंच गई है। गुरुवार को फिल्म का 19 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन हुआ। जियो स्टूडियोज के मुताबिक, भारत में फिल्म का ग्रॉस बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 1134 करोड़ रुपए पहुंच चुका है, जबकि ओवरसीज में फिल्म का 367 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ है, जिसके बाद इसका वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 1501 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। बता दें कि ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होती है। दंगल (2070 करोड़ रुपए), बाहुबली 2 (1788 करोड़ रुपए) और पुष्पा 2 (1742 करोड़ रुपए) के बाद धुरंधर 2 दुनिया भर में 1500 करोड़ रुपए कमाने वाली चौथी भारतीय फिल्म बन गई है। वहीं, दंगल के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाली बॉलीवुड की यह दूसरी फिल्म है। धुरंधर के पहले पार्ट ने भारत और अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपए कमाए। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 840 करोड़ रुपए हुआ। वहीं, 894.49 करोड़ रुपए की कमाई के साथ ही यह हिंदी भाषा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। विदेशी बाजारों में भी फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। ओवरसीज में इसने करीब 299.5 करोड़ रुपए कमाए। अमेरिका और कनाडा में 193.06 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर बाहुबली 2 का रिकॉर्ड भी तोड़ा। दिलचस्प बात यह थी कि फिल्म को खाड़ी देशों में रिलीज की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद शानदार सफलता मिली। साथ ही यह भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 'ए' रेटेड फिल्म बनी।

'क्वीन 2' में कंगना रनोट नजर आएंगी,अप्रैल के आखिर तक शुरू होगी शूटिंग, जानिए कैसी होगी कहाना

मुंबई। कंगना रनोट की फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी शुरू हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया

गया कि कंगना और डायरेक्टर विकास बहल 'क्वीन 2' की शूटिंग अप्रैल के अंत तक शुरू करेंगे। मिड डे की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि फिल्म की कहानी पहली फिल्म का सीधा सीक्वल नहीं होगी, बल्कि यह खुद को खोजने और आत्मनिर्भरता के विषयों को दिखाएगी। इस बार कंगना का किरदार रानी छोटे शहर की नहीं, बल्कि शहर में रहने वाली लड़की होगी। कहानी में रानी एक ऐसी स्थिति का सामना करेगी, जो उसे खुद को खोजने के सफर पर ले जाएगी। फिल्म में दिखाया जाएगा कि वह अपनी पहचान, समझ और हिम्मत से जिंदगी की मुश्किलों का सामना कैसे करती है। इस बार उसका सफर उसे भारत के अलग-अलग शहरों में ले जाएगा। फिल्म में कंगना के अलावा पहली फिल्म के कलाकार जैसे राजकुमार राव और लीजा हेडन नजर नहीं आएंगे। बताया जा रहा है कि सपोर्टिंग रोल्स के लिए थिएटर कलाकारों को चुना गया है। शूटिंग की शुरुआत मुंबई के एक स्टूडियो में होगी, जहां उत्तर भारतीय शहर और रानी के घर के सेट तैयार किए जाएंगे। इसके बाद टीम अन्य मेट्रो शहरों में शूटिंग करेगी। फिल्म की शूटिंग लगभग तीन महीने में पूरी की जाएगी। 'क्वीन' (2014) को फैंटम फिल्म्स और वायकॉम18 मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया था। फैंटम फिल्म्स के 2018 में बंद होने के बाद, 'क्वीन 2' को विकास बहल अपने बैनर तले बना रहे हैं। वे फिल्म के राइटर भी हैं। इस फिल्म के बाद कंगना रनौत 'तनु वेड्स मनु 3' की शूटिंग शुरू करेंगी, जिसका डायरेक्शन आनंद एल राय करेंगे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।